साल 8 बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-8 | अंक-8 मार्च 2026 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

DPS AJMER
Sr. Sec. School
Tabiji Farm Road, Ajmer
ESTABLISHING
The Right Environment
We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.
SHASHI PAL KUMAWAT
Chairman
Archery & International
Level Shooting Range
Swimming Pool
"DPS Wave Pulse"
Horse Riding Club
Won Laurels at the National Level
Our Activities
Skating Rink
Karate Club
We have won Karate Championship at District, State & National Level.
Art & Craft
Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer
Web: www.dpsajmer.in
E-Mail: info@dpsajmer.in

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संरक्षक	:	जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
अध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	मो. 9414810584
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
		चेतन बालोदिया	मो. 9414052736
		मोहन लाल कुमावत	मो. 9887557425
मुख्य सलाहकार	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, **सह-सम्पादक :** रमेश तोंदवाल 9460870125 एवं प्रिया मारवाल 9408093778 तथा मनीष कुमावत 9660702083, रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812** **इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645** **किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, 22 गोदाम, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ट संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ट संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385 यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

सम्पादकीय

चैत्र मास की नवमी तिथि केवल पंचांग का एक पन्ना नहीं है, बल्कि यह भारतीय मानस की उस चेतना का पुनर्जागरण है, जिसे हम **श्रीराम** कहते हैं। रामनवमी का पर्व हमें उस कालखंड की याद दिलाता है जब अयोध्या की पावन भूमि पर एक ऐसे व्यक्तित्व का अवतरण हुआ, जिसने आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन जीने हेतु मार्गदर्शन दिया। आज के दौर में, जब नैतिक मूल्यों का क्षरण और संबंधों में बिखराव एक आम बात हो गई है, श्रीराम का चरित्र एक प्रकाश-पुंज की भांति हमारा मार्ग प्रशस्त करता है।

श्रीराम को 'मर्यादा पुरुषोत्तम' कहना मात्र एक उपाधि नहीं, बल्कि उनके संपूर्ण जीवन का सार है। उनके चरित्र की कुछ ऐसी विशेषताएं हैं जो उन्हें ईश्वर से अधिक एक आदर्श मनुष्य के रूप में स्थापित करती हैं:

- **पितृ-भक्ति और त्याग:** राज्याभिषेक की सूचना मिलने के अगले ही क्षण, बिना किसी क्षोभ के पिता के वचन हेतु 14 वर्ष का वनवास स्वीकार करना, त्याग की पराकाष्ठा है। यह सिखाता है कि कर्तव्य की राह में व्यक्तिगत सुख गौण होते हैं।
- **समता और सामाजिक समरसता:** राम ने महलों के ऐश्वर्य को त्यागकर ऋषियों के आश्रमों और कुटियाओं को चुना। केवट को मित्र माना और शबरी के जूठे बेर सहर्ष स्वीकार करना इस बात का प्रमाण है कि श्रेष्ठता जाति से नहीं, प्रेम और भक्ति से मापी जाती है।
- **धैर्य और सुशासन:** विपरीत परिस्थितियों में भी विचलित न होना राम का सबसे बड़ा गुण है। उनका 'राम-राज्य' आज भी सुशासन (Governance) का वैश्विक मानक है, जहाँ राजा का धर्म केवल प्रजा का हित संवर्धन था।
- **शत्रु के प्रति भी मर्यादा:** रावण जैसे महाबली शत्रु का वध करने के बाद भी, उन्होंने लक्ष्मण को रावण से शिक्षा लेने भेजा। यह दर्शाता है कि राम का संघर्ष व्यक्ति से नहीं, बल्कि अधर्म और अहंकार से था।
- उनकी श्यामल छवि,सुन्दर मुखमंडल, दीर्घ नेत्र, प्रशस्त ललाट, लम्बी भुजाएं और सौष्ठव अंग-प्रत्यंग सभी को आकर्षित करती है।
- क्षमा, करुणा, सत्य, धर्मनिष्ठा, कृतज्ञता तथा दृढ़ प्रतिज्ञता जैसे सद्गुण का राम के चरित्र में समाहित होना।

आज के आपाधापी भरे युग में रामनवमी की सार्थकता केवल मंदिरों की सजावट या जयकारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। राम के चरित्र से संयम, सत्यनिष्ठा और न्यायप्रियता को अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में उतारना ही इस पर्व की सच्ची पूजा है। यदि हम अपने भीतर के 'अहंकार' का दमन कर सकें और समाज के वंचित वर्ग के प्रति 'करुणा' का भाव रख सकें, तभी रामराज्य की संकल्पना साकार हो पाएगी। रामनवमी हमें संकल्प लेने का अवसर देती है कि हम मर्यादा की उन रेखाओं का सम्मान करें, जो समाज को संगठित और सुरक्षित रखती हैं।

समस्त समाजजनों को जातीय दिवस रामनवमी के पावन पर्व की हार्दिक बधाई।

- रमेश कुमावत (गैदर)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
भारतीय सिविल सेवा परीक्षा में पूजा गोठवाल का चयन	5
यश कुमावत का भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर चयन	5
डॉ नाथूलाल वर्मा को कला के क्षेत्र में लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड	5
दहेज और प्री-वेडिंग से दूरी:	6
महेन्द्र कुमावत को डाक्टरेट की मानद उपाधि	6
मोहन बालोदिया का 119वां गोल्डन एरा शो 29 मार्च को	6
मेघना कुमावत को भाजपा जयपुर शहर कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त	6
जाबांज गिरधारी लाल कुमावत शहीद	6
पुष्कर में 1 मई को सामुहिक विवाह सम्मेलन सुचारू संचालन हेतु टीमें गठित	7
दहमीकलां प्रशासक गणेश को बेस्ट सरपंच ऑफ द इयर-2026 सम्मान	7
होली स्नेह मिलन में मिला समाज	7
सांवरिया कुमावत समाज : नारायण घोड़ेला बने अध्यक्ष	7
'ढूंढाड़ री धमाल' - 13वाँ फागोत्सव	8
एनिमल बर्थ कंट्रोल मोनेटरिंग टीम में शेरसिंह कुमावत का चयन	8
सतीश कुमावत के शतक से दैनिक भास्कर की दूसरी जीत	8
झुंझुनू की पूर्व पालिका उपाध्यक्ष की मौत	8
क्षत्रिय मेवाड़ा कुमावत समाज, भागीरथपुरा, इंदौर में धर्मशाला का उद्घाटन	9
सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा का अधिवेशन 10, मई 2026 को	9
सफलता का सीक्रेट है विजुअलाइजेशन	10
केरल का नाम अब 'केरलम'	10
अलवर में नई कार्यकारिणी गठित, मदनलाल बने अध्यक्ष	10
अक्षय तृतीया: शाश्वत समृद्धि और नई शुरुआत का पावन पर्व	11
भवन निर्माण से पूर्व ''मृदा परीक्षण'' की अनिवार्यता	11
तरबूज की वैज्ञानिक एवं जैविक खेती: गर्मी में लाभकारी और सुरक्षित फसल	14
शाहपुरा के परमेश्वर कुमावत को दीक्षांत समारोह में पीएचडी की उपाधि	15
शीतल कुमावत को गोल्ड मैडल एवं पी. एच.डी. की डिग्री प्रदान	15
कुमावत समाज, मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव सम्पन्न	15
नेपाल चुनाव में बालेंद्र शाह की पार्टी की जीत	15
राजस्थान कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग ने जिला प्रभारी नियुक्त किये	16
समाज के अभ्यार्थियों का असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन	16
अमरचंद मंडावरा कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त	16
मानस्वी कुमावत बनेगी डॉक्टर	16
ग्रामीण बैंक में PO पद पर चयनित	16
आगामी सामूहिक विवाह	16
राम मंदिर अयोध्या में श्री यंत्र की स्थापना	17
राजसिंह कुमावत पदोन्नत एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित	17
देश की उम्मीदें पूरी... तीसरी बार जीत ली दुनिया	18
परिवर्तन ही जीवन है	19
बाल विवाह : बच्चों का बचपन छीनना है	20
पृथ्वी दिवस: हमारी धरती, हमारा भविष्य	21
राम-रावण युद्ध के निहितार्थ	22
विशिष्ट संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क करें	26
ताइवान में शिव का दिव्य स्वरूप	27

श्रीमती अमिता

एवं

रमेश कुमावत (गैदर)

के विवाह की 43वीं वर्षगांठ

21 अप्रेल, 2026

पर हार्दिक बधाई!

शुभेच्छु

श्रीमती फूला देवी- स्व. श्री रामदयाल गैदर (माता-पिता)

नमिता-स्व. श्री दिनेश एवं अंजना-सतीश (भ्राता वधू-भ्राता)

शोभिका-मनीष खंडारिया (पुत्री-दामाद)

मेघावी-पारितोष (पुत्रवधू-पुत्र), अव्यान (पौत्र)

षष्टि (मीठी) व पिनाक (दोहित्र) एवं समस्त गैदर परिवार

26, आदर्श बस्ती, टोंक फाटक, जयपुर | E 45AB, गार्डन स्ट्रीट, 3rd एवेन्यु, लालबहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर

भारतीय सिविल सेवा परीक्षा में पूजा गोठवाल का चयन

मेवाड़ की गौरवशाली बेटी उदयपुर निवासी श्रीमती पूजा कुमावत (गोठवाल) ने भारतीय सिविल सेवा परीक्षा 2025 में ऑल इंडिया रैंक 522 प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि कुमावत समाज और मेवाड़ क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है।

यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और सकारात्मक सोच से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। इनकी यह सफलता समाज की बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है और उन्हें अपने सपनों को साकार करने का मार्ग दिखाती है। इस उपलब्धि में इनके पति : श्री गौरव गोठवाल, माता-पिता : श्रीमती मंजू देवी-श्री रामचन्द्र अड्डानिया तथा सास-ससुर : श्रीमती अनीता-श्री लक्ष्मी नारायण गोठवाल है का विशेष योगदान है।

श्री हरिशंकर खंडारिया, अध्यक्ष, कुमावत वरिष्ठ नागरिक ट्रस्ट, उदयपुर ने इन्हे बधाई देकर पत्रिका को सूचित किया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से भी **श्रीमती पूजा कुमावत (गोठवाल)** को हार्दिक बधाई।

यश कुमावत का भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर चयन

जयपुर। कड़ी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए, म.नं. 733, सुमेर नगर निवासी यश कुमावत ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर चयनित होकर कुमावत समाज का नाम रोशन किया है। यश कुमावत की ट्रेनिंग प्रथम छह माह चेन्नई (तमिलनाडु) व द्वितीय पांच माह की ट्रेनिंग गया (बिहार) में सफलतापूर्वक करके 7 मार्च 2026 को कमीशनड् हुए। यश कुमावत को सोलहवीं बटालियन दि कुमाऊँ रेजिमेन्ट आवंटित की गई और इनका हैड क्वाटर उत्तराखण्ड दिया गया व पोस्टिंग आदेश दिल्ली के प्रदान किये गये।

भारतीय सेना में यश कुमावत ने SSC (शोर्ट सर्विस कमशीन (Tech.) की परीक्षा 2025 में उत्तीर्ण करके 11 माह की ट्रेनिंग (चेन्नई व बिहार) में की। SSC की परीक्षा UPSC के द्वारा आयोजित की जाती है। यश कुमावत ने वर्ष 2024 में B.Tech. (मेकेनिकल ब्रांच) में JECRC सीतापुरा, जयपुर से 84% अंकों से उत्तीर्ण की है।

यश कुमावत के पिता दिनेश कुमावत (नीमीवाल) JVVNL, जयपुर से अति. निजी सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। यश कुमावत की बड़ी बहने : सौम्या कुमावत इण्डियन बैंक प्रताप नगर, जयपुर एवं Er. रश्मि कुमावत नोएडा में सेवाएं दे रही हैं तथा माता श्रीमती चन्द्रकान्ता वर्मा गृहणी हैं।

डॉ नाथूलाल वर्मा को कला के क्षेत्र में लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

21.03.2026 को राजस्थान ललित कला अकादमी, जयपुर द्वारा आयोजित 25वें कला मेले के समापन समारोह में राज्य के प्रतिनिधि कलाकार आदरणीय कलागुरु डॉ नाथूलाल वर्मा को कला के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए मुख्य अतिथि डॉ जितेंद्र कुमार सोनी (जिला कलेक्टर) द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं 51 हजार रुपए की नकद राशि देकर **लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड** से सम्मानित किया गया। कला जगत की अनेक हस्तियों एवं गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में यह सम्मान प्रदान किया गया।

प्रति वर्ष यह सम्मान कला जगत में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वरिष्ठ कलाकार को प्रदान किया जाता है। वर्मा जी को सम्मानित होते देखकर इनके हर विद्यार्थी, कला जगत के सभी वरिष्ठ कलाकार एवं युवा कलाकार साथी प्रफुल्लित और गौरवान्वित अनुभव कर रहे है। डॉ नाथूलाल वर्मा फैकल्टी फाइन आर्ट्स के अंतर्गत ड्राइंग व पेंटिंग विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के पद पर कार्य करते हुए अनेकों विद्यार्थियों को कला के क्षेत्र में पारंगत किया है। सेवानिवृत्त होने के बाद भी ये निरंतर कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। ये राजस्थान ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित पिछले 10 कला मेलों के संयोजक रहे हैं। आपके द्वारा इस कला मेले में फ्रेस्को विधा के प्रशिक्षण हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला शिविर का आयोजन किया गया था जिसमें कई विद्यार्थियों ने बढ़चढकर भाग लिया।

कला सम्मान (लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड) मिलने पर **'कुमावत इंडिया' पत्रिका** की ओर से **डॉ. नाथूलाल वर्मा** को **हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।**

दहेज और प्री-वेडिंग से दूरी: जादूगर आंचल के भाई हर्षिल ने सादगी से रचाया विवाह

खाटूश्यामजी (सीकर)। अंतरराष्ट्रीय जादूगर आंचल कुमावत के छोटे भाई हर्षिल कुमावत (गुरु) ने बिना दहेज सादगीपूर्ण विवाह कर समाज के सामने प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। 11 मार्च 2026 को खाटूश्यामजी के समीप बाय गाँव में हर्षिल का विवाह कुमारी लक्ष्मी के साथ सम्पन्न हुआ।

विवाह की खास बात यह रही कि इसमें दहेज बिल्कुल नहीं लिया गया और शगुन के रूप में केवल रु.1 स्वीकार किया गया। साथ ही प्री-वेडिंग जैसे आयोजनों से दूरी रखते हुए विवाह पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सादगी से सम्पन्न किया गया।

उल्लेखनीय है कि जादूगर आंचल कुमावत कई वर्षों से अपने जादू शो के माध्यम से दहेज प्रथा के खिलाफ जनजागरण करती आ रही हैं। हर्षिल और लक्ष्मी का यह विवाह उसी सामाजिक संदेश का प्रेरणादायक उदाहरण माना जा रहा है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से नवदम्पत्ति को हार्दिक बधाई

मोहन बालोदिया का 119वां गोल्डन एरा शो 29 मार्च को

"ये चाँद सा रोशन चेहरा" कार्यक्रम

29 मार्च, 2026 को मोहन कुमार बालोदिया के सदाबहार गीतों की शाम 6 बजे महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में सजाई जायेगी जिसमें 60 से 80 दशक के फिल्मी गीतों से मोहन कुमार बालोदिया, बालोदिया लाइव बैण्ड और डायमंड आक्रेस्ट्रा के प्रतिभाशाली गायक सुरीली आवाज में श्रोताओं का मनोरंजन करेंगे।

ज्ञातव्य रहे कि श्री बालोदिया वर्ष में 2 बार अपने चाहने वालों एवं संगीत प्रेमियों के लिए ऐसा कार्यक्रम आयोजित करते हैं इससे वे आज के दौर में भी पुराने सदाबहार गीतों से लोगों को जोड़कर मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

मेघना कुमावत को भाजपा जयपुर शहर कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त

मेघना कुमावत सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र में सिविल लाइंस मंडल कार्यकारिणी में सह-प्रवक्ता सिविल लाइंस मंडल भाजपा महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष तथा महिला एवं बाल विकास समिति की सदस्य के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। **भाजपा संगठन द्वारा उन्हें जयपुर शहर कार्यकारिणी सदस्य का दायित्व सौंपा है** जो उनके अनुभव, नेतृत्व क्षमता एवं संगठन के प्रति समर्पण का सम्मान है। वे अब पार्टी की विचारधारा, नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने का कार्य करेंगी। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका को उनकी उपलब्धि पर गर्व है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

महेन्द्र कुमावत को डाक्टरेट की मानद उपाधि

22 फरवरी, जयपुर। पूर्व पुलिस महानिदेशक महेन्द्र कुमावत को यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट, जयपुर ने उनकी विशिष्ट राष्ट्र सेवा, सुरक्षा प्रबन्धन और शैक्षणिक नेतृत्व के लिए डॉक्टर ऑफ फिलॉस्फी की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। श्री महेन्द्र कुमावत राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित हैं, ये राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा पुलिस यूनिर्विसिटी जोधपुर के वाइस चांसलर रह चुके हैं। इन्होंने अपने हर पद पर ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा से सराहनीय कार्य किया है। श्री महेन्द्र कुमावत ने राष्ट्रीय सुरक्षा, सरकारी नीति निर्धारण, पुलिस सेवा, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन तथा जोधपुर में पुलिस युनवर्सिटी में वाईस चांसलर रहते हुए अपना विशिष्ट योगदान दिया है।

श्री महेन्द्र कुमावत को डॉक्टर ऑफ फिलॉस्फी की मानद उपाधि से सम्मानित होने पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

जाबांज गिरधारी लाल कुमावत शहीद

मगनपुरा दाँतारामगढ़ का लाल गिरधारी लाल कुमावत का शहीद होने का दु:खद समाचार ज्ञात हुआ है। उनको क्रिकेट खेलते समय हार्ट अटेक आया। वे स्वयं मोटरसाइकिल से अस्पताल पहुंचे पर डाक्टर्स उनकी जान बचाने में विफल रहे। गिरधारी लाल कुमावत एक वीर सैनिक थे जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपनी जान दी। उनकी वीरता और बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से उनकी शहादत को सलाम है।

पुष्कर में 1 मई को सामुहिक विवाह सम्मेलन सुचारू संचालन हेतु टीमें गठित

रिश्ता कुमावत परिचय सम्मेलन समिति रजिस्टर्ड, पुष्कर, अजमेर के द्वारा 1 मई 2026 को सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इसके सुचारू आयोजन के लिए समिति ने की युवा टीम एवं महिला टीम का गठन किया है जो निम्न प्रकार है:-

युवा टीम : अध्यक्ष- हिमांशु जी घोड़ेला पुष्कर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष-महादेव जी कारवाल पीसांगन, उपाध्यक्ष- राजू जी ईटाड़ा पीसांगन, उपाध्यक्ष- राहुल जी अनावड़िया किशनगढ़, उपाध्यक्ष-अशोक जी अनावड़िया अजमेर, उपाध्यक्ष-बालकिशन जी गुगांवन पीसांगन, महामंत्री- अशोक जी पिलोदिया पुष्कर, उपमहामंत्री- रवि जी राहोरिया सिलोरा, उपमहामंत्री-धनराज जी कुदाल किशनगढ़, संगठन मंत्री- प्रमोद जी रेणवाल पीसांगन, प्रचार मंत्री- रमेश जी अनावड़िया अजमेर, प्रचार मंत्री- अनिल जी पिपाड़ा पुष्कर, प्रचार मंत्री- योगेश जी पिलोदिया पीसांगन, प्रचार मंत्री- मनोहर जी पुष्कर

मातृशक्ति टीम : अध्यक्ष- सीमा जी होदगासिया थांवला, महामंत्री- सुमन जी पुष्कर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष- राजश्री जी अजमेर, उपाध्यक्ष- कविता जी देवतवाल पीसांगन, उपाध्यक्ष- निर्मला जी तूनगरिया किशनगढ़, उपाध्यक्ष- संतोष जी मारोठिया रूपनगढ़, उपमंत्री- विमला जी मालिया किशनगढ़, उपमंत्री- रेखा जी दादरवाल पीसांगन तथा प्रचार मंत्री- प्रिया जी देवतवाल अजमेर

इन टीमों के गठन का उद्देश्य है कि सामूहिक विवाह सभी की सहभागिता से सुचारू रूप से हों तथा यह पल यादगार बने। लोगों ने खुले दिल से आर्थिक सहयोग देना शुरू किया। युवा टीम एवं मातृशक्ति टीम को बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाए।

दहमीकलां प्रशासक गणेश को बेस्ट सरपंच ऑफ द इयर-2026 सम्मान

जयपुर स्थित होटल मैरियट में रैंडम वेरियबल फाउंडेशन एवं सहयोगी संगठनों द्वारा आयोजित ''ग्राम संसद राजस्थान सरपंच संवाद'' कार्यक्रम में दहमीकलां प्रशासक (सरपंच) गणेश कुमावत को **बेस्ट सरपंच ऑफ द इयर-2026 अवार्ड** से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की उपस्थिति रही। कुमावत को पंचायत क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट विकास कार्यों, जनसहभागिता बढ़ाने तथा मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में ग्राम संसद के संस्थापक व राष्ट्रीय प्रधान महासचिव ब्रजेश शर्मा, राष्ट्रीय सचिव अखिल द्विवेदी, प्रशांत पाल कोच, प्रदेश सचिव व राजस्थानी फिल्म कलाकार श्रवण सागर सहित प्रदेशभर से प्रशासक और पंचायतीराज जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। क्षेत्रवासियों ने खुशी व्यक्त करते हुए इसे पूरे दहमीकलां पंचायत क्षेत्र बगरू, जयपुर के लिए गौरव का क्षण बताया।

प्रवीण बालोदिया का प्रयास

होली स्नेह मिलन में मिला समाज

मथुरा, 8 मार्च 2026। मंदिर श्री सत्यनारायण जी समिति के तत्वावधान में गली राजकुमार, मथुरा में होली मिलन समारोह का सफल आयोजन हुआ। मथुरा में कुमावत समाज के 25 परिवार हैं जो पहली बार एक जाजम पर बैठे। एक-दूसरे के हर्षोल्लास से रंग व गुलाल लगायी ओर एकता एवं भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम में छोटे-बड़े सभी ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया, ठंडाई एवं गुजिया का आनन्द लिया तथा प्रेम एवं सौहार्द से होली स्नेह मिलन समारोह हुआ। इसके लिए प्रवीण बालोदिया, समाजसेवी के सार्थक प्रयास रहे। मुख्य अतिथि श्रीमती इंद्रा प्रताप एवं मजिस्ट्रेट ठाकुर भानु प्रताप सिंह ने इस अवसर पर कहा कि समाज को एकसूत्र में बांधने का कार्य किया है यह सराहनीय है। इस अवसर पर कुमावत समाज के सभी गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सांवरिया कुमावत समाज : नारायण घोड़ेला बने अध्यक्ष

आसींद। सांवरिया कुमावत समाज, झारणेश्वर महादेव संस्थान आलमास की बैठक श्री नानूराम कुमावत पूर्व विधायक एवं संरक्षक के निर्देशन में हुई। इसमें निर्वाचन प्रक्रिया भी हुई। नामांकन और नाम वापसी के बाद अनन्त: श्री नारायण घोड़ेला को सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। बहुत-बहुत बधाई।

आवश्यक सूचना

'कुमावत इंडिया' पत्रिका का आगामी अंक अप्रेल-मई 2026, मई 2026 में प्रकाशित किया जायेगा। -**सम्पादक**

'ढूंढाड़ री धमाल' - 13वाँ फागोत्सव

1 मार्च, जयपुर। जयक्लब में आयोजित 13वाँ फार्गोत्सव 'ढूंढाड री धमाल' में जयपुर क्षेत्र की समृद्ध लोक संस्कृति एवं होली का उल्लास, पारम्परिक व्यंजन, संगीत आदि का अद्भुत संगम की झलक देखने को मिली।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, संस्थापक विजयपाल मारवाल, संयोजक मनीष कूलवाल एवं उपाध्यक्ष कपिल कुमावत ने दीप प्रज्ज्वल करके की। इसमें गणेश वंदना गौड़ विप्र लोकगीत मंडल ने की। जयपुर की प्रसिद्ध गालीबाजी ने रोताओं को होली के रंगों से भर दिया। गरिमा कुमावत एवं हनुमान सहाय शर्मा ने शास्त्रीय संगीत की मधुर प्रस्तुति दी। कच्ची घोड़ी नृत्य, भँवई नृत्य और कालबेलिया नृत्य से कार्यक्रम में समा बंध गई।

कार्यक्रम में राज्य सभा सदस्य घनश्याम शर्मा, लोकसभा सदस्य मंजू शर्मा, विधायक कालीचरण सराफ, गोपाल शर्मा, अनिता जाटव, वित्त आयोग अध्यक्ष अरुण चुवर्तेदी, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व विधायक अशोक लाहोटी, इतिहासकार जितेन्द्र सिंह शेखावत, आरएसएस प्रांत प्रचारक बाबूलाल सहित उद्योगपति, व्यवसायी तथा गणमान्य लोग उपस्थित थे।

एनिमल बर्थ कंट्रोल मोनेटरिंग टीम में शेरसिंह कुमावत का चयन

पिछले 16 वर्षों से श्री शेरसिंह कुमावत गौसेवा एवं पशु संरक्षण के कार्य में निरंतर सेवाभावनासे कार्य करते रहे हैं। इनको नगर निगम जयपुर की एबीसी (एनिमल बर्थ कंट्रोल) मोनेटरिंग टीम में पशुक्रूरता निवारण समिति के प्रतिनिधि के रूप में चयनित किया गया है। दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर, गोविन्दगढ़ में गांववासियों ने इन्हें माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर सम्मानित कियाञ शेरसिंह कुमावत ने इस मौके पर कहा कि बड़े-बुजुर्गों के आशीर्वाद से ही गौसेवा एवं पशु संरक्षण के संस्कार उनमें आये हैं जिसे वे आगे भी जारी रखेंगे।

श्री शेरसिंह कुमावत को इस चयन पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

सतीश कुमावत के शतक से दैनिक भास्कर की दूसरी जीत

जयपुर। मैन ऑफ द मैच सतीश कुमावत (102 रन, 53 गेंद, 12 चौके, 7 छक्के) के शतक से दैनिक भास्कर ने पीपीएल में महानगर टाइम्स को 47 रन से हरा लगातार दूसरी जीत दर्ज की। दैनिक भास्कर ने 206 रन बनाए। पहले विकेट के लिए 151 रन जोड़े सतीश और समीर शर्मा (33 रन, 4 चौके) ने पहले विकेट के लिए 151 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की। सुरेन्द्र जांगिड़ ने 25 रन बनाए। महानगर टाइम्स की टीम 8 विकेट पर 159 रन ही बना सकी। सौरभ गृहस्थी ने 2 विकेट लिए।

सुशील कुमावत पुत्र श्री गोपाल कुमावत ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर से फरवरी 2026 में MBBS अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण की है। सुशील कुमावत को डा. बनने पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक शुभकामनाए।

कौशल्या कुमावत (रोहिवाल) पुत्री श्री धनाराम जी कुमावत का चयन खो-खो प्रतियोगिता हेतु जोधपुर के जय नारायण विश्वविद्यालय की टीम में होने पर बहुत-बहुत बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाए।

बेड न्यूज

झुंझुनू की पूर्व पालिका उपाध्यक्ष की मौत

नगर पालिका की पूर्व उपाध्यक्ष सुनीता जलन्द्रा (35) की बुधवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के भाई की रिपोर्ट पर पुलिस ने पति सहित ससुराल पक्ष के पांच लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज किया है। नवलगढ़ निवासी अर्पित कुमावत ने रिपोर्ट दी है कि उसकी बहन सुनीता की शादी 13 नवंबर 2013 को खेतड़ी निवासी गजेंद्र पुत्र सोहनलाल

के साथ हुई थी। विवाह में परिवार ने 40 लाख रुपए खर्च किए थे और 25 तोला सोना सहित नकदी व घरेलू सामान दिया गया था, इसके बावजूद ससुराल पक्ष असंतुष्ट रहा और लगातार दहेज के लिए प्रताड़ित करता रहा। सुनीता जलन्द्रा की मौत ने कुमावत समाज को दु:ख से झकझोर दिया है। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका परिवार को भी इस घटना से दु:ख पहुंचा है।

क्षत्रिय मेवाड़ा कुमावत समाज,भागीरथपुरा, इंदौर में धर्मशाला का उद्घाटन

क्षत्रिय मेवाड़ा कुमावत समाज द्वारा भागीरथपुरा में निर्मित भव्य धर्मशाला का उद्घाटन बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर 1008 श्री ज्ञानदास जी महाराज (उज्जैन) रहे।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में लोकप्रिय विधायक आकाश विजयवर्गीय, भाजपा नगर महामंत्री कैलाश पिपले, चंकी कुमावत, डॉ. लक्ष्मीनारायण मारू, श्री राम कुमावत (देवास), क्षत्रिय कुमावत महासभा के प्रदेश महामंत्री दिलीप कुमावत टिकौलिया, वरिष्ठ समाजसेवी मोहनलाल देतवाल, रमेश सिंह तोमर, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री अभय कुमावत मोरवाल, धर्मशाला के संस्थापक कैलाश जी दिलीप गोठवाल ठेकेदार, डॉ. अंकित चोरमा, मनीष चोरमा सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा प्रभु श्रीराम की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर की गई। अतिथियों का स्वागत समाज अध्यक्ष गोपाल कुमावत, नंदकिशोर डाबरिया, रवि धनेरिया, सोहन डीडवानिया, राजेश कुमावत टिकौलिया, गजेन्द्र चंदौरे, कांतिलाल उदीवाल, प्रहलाद टिकौलिया, मुरली सिलवाड़िया, सोहनलाल चोरमा, घनश्याम जी सिरोटा, राकेश सर्वा, सदाशिव जी मेंवरंडिया, सुभाष मेंवरडिया, आदर्श निवाल, महेन्द्र डाबरिया, राहुल नागौरा, बिमल जी मरमट, रोहित कुमावत, अध्यक्ष ललित कुमावत मारू, सूरज कुमावत,एवं अन्य साथियों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में समाज की धर्मशाला के निर्माण में सहयोग करने वाले समाजजनों का भगवा पटका पहनाकर तथा लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की तस्वीर भेंट कर सम्मान किया गया।

संत श्री ज्ञानदास जी महाराज ने सभी समाजजनों को आशीर्वाद प्रदान किया। वहीं विधायक आकाश विजयवर्गीय ने समाज को इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर **नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय जी द्वारा धर्मशाला के लिए दो लाख रुपये की सहयोग राशि प्रदान की।** अन्य समाजजनों ने भी स्वेच्छा से आगे बढ़कर सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश कुमावत टिकौलिया द्वारा किया गया। उन्होंने धर्मशाला निर्माण कार्य का संक्षिप्त विवरण समाजजनों के समक्ष प्रस्तुत किया। संयोजक नंदकिशोर डाबरिया ने सभी समाजजनों के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया तथा अध्यक्ष गोपाल कुमावत ने सभी अतिथियों एवं समाजजनों का आभार व्यक्त किया।

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा का अधिवेशन 10, मई 2026 को

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) जयपुर जिला महासभा के सभी राष्ट्रीय, प्रदेश शहर, विधानसभा इकाईयों के कुमावत समाज बन्धुओं की मीटिंग दिनांक 22 फरवरी 2026 को बाल निवास कल्याण जी का रास्ता जयपुर में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामेश्वर बम्बोरिया की अध्यक्षता में हुई। राष्ट्रीय महामंत्री श्री रूप सिंह कारगवाल ने बताया कि मीटिंग में कुमावत समाज के उत्थान के लिए एवं महासभा के विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से विचार-विमर्श किया गया जिसमें निम्न बिन्दुओं पर चर्चा की गई:-

महासभा के आगामी आने वाले स्थापना दिवस व जातिय दिवस रामनवमी को जोर शोर से मनाने का प्रस्ताव रखा गया जिसे सभी ने सर्व सम्मति से सम्पूर्ण भारतवर्ष में 26 मार्च 2026 को जयपुर शहर द्वारा बाल निवास कल्याण जी का रास्ता जयपुर में धूमधाम से मनाया जायेगा। महासभा की विद्याधर इकाई झोटवाडा द्वारा भव्य कलश यात्रा समाज की महिलाओं द्वारा शिल्प कॉलोनी तेजाजी के मन्दिर से कुमावत कॉलोनी, दादू बगीची तक गाजे बाजे के साथ निकाली जायेगी। इसी तरह सम्पूर्ण प्रदेश व भारत वर्ष में यह पर्व मनाया जायेगा। **महासभा के वार्षिक अधिवेशन 10 मई 2026 को जयपुर में किया जाना तय हुआ है।** साथ में यह भी तय किया कि महासभा का सदस्यता अभियान 31.3.2026 तक चलाया जायेगा जिसमें राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा 10 सक्रिय सदस्य, राष्ट्रीय कार्यकारिणी, प्रदेश व मोर्चा के पदाधिकारियों द्वारा 5-5 सक्रिय सदस्य बनाना तय किया है जिसका उपस्थित सभी समाज बन्धुओं ने एक मत से प्रस्ताव पास किया। महासभा के विधान के अनुसार वार्षिक सहयोग राशि या सक्रिय सदस्य बनाने की अन्तिम तिथि भी 31.3.2026 तय की गई है। मीटिंग में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामेश्वर बम्बोरिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री रूप सिंह कारगवाल, सोनिया डाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री लक्ष्मरीनारायण घोडीवाल, राष्ट्रीय सलाहकार श्री रामप्रसाद घोडेला, राष्ट्रीय महिला मोर्चा अध्यक्ष सरोज बडीवाल, श्री सोहन लाल अजमेरा, श्री मनोहर नरानिया, श्री चन्द्र प्रकाश मालिया, श्री गोपाल सिंह खोवाल, श्री ओम प्रकाश कैकटिया, श्री धनराज अनावडिया, श्री अमर, चंद मण्डावरा, श्री हेमन्त छापोला, श्री पृथ्वी कैकटिया आदि मीटिंग में उपस्थित रहे।

सफलता का सीक्रेट है विजुअलाइजेशन
कल्पना की कला बदल सकती है जीवन

एक खास मेंटल प्रैक्टिस है विजुअलाइजेशन (Visualization), रिसर्च बताते हैं कि अगर सही तरीके से किया जाए, तो सफलता हासिल करने में यह तकनीक परफॉर्मेंस में 20त्न तक सुधार ला सकती है। इसमें हम जो भी चाहते हैं उसकी साफ कल्पना करते हैं। विजुअलाइजेशन हमारे दिमाग के साइबरनेटिक सिस्टम को एक्टिव करता है, जो हमें एक ऑटो-पायलट की तरह लक्ष्य की ओर ले जाता है (How to Visualize Success)। सपने देखना अक्सर इलॉजिकल मान लिया जाता है, लेकिन साइंस बताता है कि सही तरीके से की गई कल्पना हमारी सफलता की सबसे बड़ी साथी बन सकती है। इसे तीन अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों के अनुभवों से समझते हैं कि यह मेंटल प्रैक्टिस कैसे जीवन बदल सकता है।

मैदान में जीत से पहले दिमाग में जीत : एनबीए के स्टार खिलाड़ी हैरिसन बार्न्स 14 सालों से लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते आए हैं। 2020 में जब उन्होंने अपने रिबाउंड औसत को बेहतर करने का लक्ष्य रखा, तो उनके कोच जो बॉयलन ने फिजिकल ट्रेनिंग के साथ विजुअलाइजेशन को उनकी रूटीन में शामिल किया।

बार्न्स रोज 10 मिनट एक खास ऑडियो सुनते, जिसमें ब्रीदिंग रिदम, कोर्ट की आवाजें, भीड़ की गूंज और मैच की स्थितियों की कल्पना शामिल थी। वे इसे मैच से पहले, लॉकर रूम में और सोने से ठीक पहले सुनते थे।

कुछ हफ्तों में उन्हें फर्क दिखने लगा। दिमाग और शरीर एक स्क्रिप्ट पर चल रहे थे, जिसके कारण 2021 में उनका रिबाउंड औसत करियर का सर्वश्रेष्ठ रहा।

कल्पना से बिजनेस एंपायर तक : अमेरिका की सबसे अमीर सेल्फ-मेड महिला सारा ने बिना इंवेस्टमेंट और एक्सपीरिएंस के एक अरब डॉलर की कंपनी खड़ी की। वह अपनी इस सफलता का सबसे बड़ा श्रेय विजुअलाइजेशन को देती हैं। सारा के पास अपने जीवन की बिल्कुल साफ तस्वीर थी, खुद का बिजनेस, अपने बनाए प्रोडक्ट्स, दुकान में सजे सामान और ग्राहकों के रिएक्शन।

यहां तक कि उन्होंने खुद को ओपरा विनफ्रे के शो में आमंत्रित होते भी कल्पना में देखा और यह सपना बाद में सच भी हुआ। 100 से ज्यादा रिजेक्शन के बावजूद वह सफलता की तस्वीर रोज देखती रहीं। यह मेंटल प्रैक्टिस उन्हें चुनौतियों में भी नए हल खोजने की ताकत देता रहा।

मुश्किलों को पहले से जी लेना : सफलता की कल्पना जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी है मुश्किल वक्त की मेंटल प्रैक्टिस करना। अंतरिक्ष यात्री क्रिस हैडफील्ड कहते हैं, ''असली हिम्मत डर को हटाने में नहीं, बल्कि उससे पहले ही निपटने की तैयारी में है।''

स्पेसवॉक के दौरान जब उनके सूट में खराबी आ गई और वे अचानक अंधेरे में चले गए, तब भी वे शांत रहे। क्योंकि उन्होंने पहले से सोचा था कि सबसे बुरा क्या हो सकता है और उससे कैसे निपटना है। उनकी मेंटल रिहर्सल ने मुसीबत की घड़ी में उन्हें संतुलित बनाए रखा।

केरल का नाम अब 'केरलम'

केन्द्रीय कैबिनेट ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने की मंजूरी दी है। यह केरल विधानसभा में वर्ष 2024 में पारित प्रस्ताव के क्रम में है। जिसमें कहा गया था कि राज्य का नाम उनकी भाषा एवं संस्कृतिक पहचान के अनुरूप 'केरलम' हो। ज्ञातव्य रहे कि वर्ष 1956 में त्रावनकोर-कोचीन से बदलकर केरल नाम रखा गया था। केरल को मलयालम में केरलम कहा जाता है। अब संविधान के अनुच्छेद 3 तथा 8वीं अनुसूची में केरलम करना होगा। अशोक के तीसरी सदी पूर्व के शिलालेख में चेरास (केरलम पत्र) अंकित था। शंकराचार्य का जन्म 8वीं सदी केरल के कालडी में हुआ और उन्होंने अद्वेत वेदांत के सिद्धान्त की रचना कर इसका प्रचार-प्रसार किया था। वर्ष 1498 में पुर्तगाली यात्री वास्कोडिगामा केरल के कोझीकोड आया और समुद्री मार्ग खोजा। वर्ष 1748 में केरल के त्रावनकोर में राजा मार्तण्ड वर्मा शासक थे जिन्हें डचों ने पराजित किया था।

केरलम का **'म'** अक्षर केवल व्याकरण सुधार का प्रतीक नहीं है, यह **'म'** से **मलयालम के गौरव, स्वादिष्ट मसालों तथा शिक्षित एवं प्रगतिशील महिलाओं का प्रतीक** भी है। केरल में 100% शिक्षा का श्रेय महिलाओं को है। केरल के नायर जैसे समुदायों में मरूमक्शयम (मैट्रियल सिस्टम) है तथा सम्पत्ति एवं उपनाम माँ की तरफ का होता है।

अब केरलम को और अधिक भाषाई एवं सांस्कृतिक पहचान मिल पायेगी।

अलवर में नई कार्यकारिणी गठित, मदनलाल बने अध्यक्ष

कुमावत क्षत्रिय समाज समिति, भूगोर, अलवर की बैठक में समाज विकास, संगठन सदृढ़ करने, सामाजिक कार्यक्रम आयोजन आदि को लेकर बैठक हुई। इस बैठक में मदनलाल कुमावत (अध्यक्ष), जगदीश कुमावत (उपाध्यक्ष), फूलचन्द कुमावत (सचिव), बाल किशन कुमावत (सह-सचिव) तथा उमेश कुमावत (कोषाध्यक्ष) चुना गया। इस अवसर पर अनेक समाजजन उपस्थित थे। सभी ने नई काकारिणी को बधाई दी तथा नवनिर्वाचित अध्यक्ष मदनलाल कुमावत ने आभार व्यक्त करते हुए बैठक में विचार किये लक्ष्यों पर काम करने का आश्वासन दिया। **बहुत-बहुत बधाई।**

अक्षय तृतीया: शाश्वत समृद्धि और नई शुरुआत का पावन पर्व

भारतीय संस्कृति में समय की गणना केवल कैलेंडर के पन्नों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहाँ हर तिथि का अपना एक आध्यात्मिक स्पंदन होता है। इन्हीं तिथियों में सर्वाधिक प्रभावशाली है—**अक्षय तृतीया**। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व हिंदू और जैन धर्म में समान रूप से श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। 'अक्षय' का शाब्दिक अर्थ है जिसका 'क्षय' (नाश) न हो। माना जाता है कि इस दिन किया गया कोई भी शुभ कार्य, दान या निवेश कभी समाप्त नहीं होता, बल्कि उसका फल जन्म-जन्मांतर तक अक्षय रहता है।

ऐतिहासिक और पौराणिक संदर्भ : अक्षय तृतीया का दिन इतिहास और पुराणों की स्वर्णिम घटनाओं से भरा हुआ है। इसे केवल एक त्यौहार कहना उचित नहीं होगा, बल्कि यह कई महान युगों और घटनाओं का संगम है:

युगादि तिथि: शास्त्रों के अनुसार, इसी दिन सतयुग और त्रेतायुग का समापन होकर नए युग की शुरुआत हुई थी। इसलिए इसे 'युगादि तिथि' भी कहा जाता है।

परशुराम जयंती: भगवान विष्णु के छठे अवतार, महर्षि परशुराम का प्राकट्य इसी दिन हुआ था। उनकी शक्ति और ज्ञान का प्रतीक यह दिन हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है।

गंगा अवतरण: भगीरथ की घोर तपस्या के बाद, स्वर्ग से माँ गंगा का पृथ्वी पर आगमन इसी पावन तिथि को हुआ था, जिसने समस्त जीव जगत का उद्धार किया।

कृष्ण-सुदामा मिलन: पौराणिक कथाओं के अनुसार, इसी दिन निर्धन सुदामा अपने मित्र भगवान कृष्ण से मिलने द्वारका पहुँचे थे। उनके द्वारा लाए गए दो मुट्ठी चावल के बदले कृष्ण ने उन्हें 'अक्षय' संपत्ति और वैभव प्रदान किया था।

महाभारत काल में भगवान कृष्ण ने **द्रौपदी को 'अक्षय पात्र'** भेंट किया था, जिससे भोजन कभी समाप्त नहीं होता था।

सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व : आज के आधुनिक परिवेश में अक्षय तृतीया को बाजार और निवेश के नजरिए से बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन सोने-चांदी के आभूषण खरीदना एक परंपरा बन चुकी है। जनमानस में यह अटूट विश्वास है कि इस दिन घर लाया गया सोना परिवार की संपत्ति में निरंतर वृद्धि करता है।

व्यापारी वर्ग के लिए यह दिन नए बही-खाते शुरू करने का रहा है। वहीं ग्रामीण भारत में, किसान इस दिन को 'अखा तीज' के रूप में मनाते हैं और **खरीफ की फसल के लिए बीज बोने की तैयारी करते हैं। इसे 'कृषि पर्व' भी कहा जा सकता है,** जहाँ धरती माता से भरपूर अन्न की कामना की जाती है।

अबूझ मुहूर्त और मांगलिक कार्य : अक्षय तृतीया की सबसे बड़ी विशेषता इसका **'स्वयंसिद्ध मुहूर्त'** होना है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस दिन सूर्य और चंद्रमा दोनों ही अपनी उच्च राशि में होते हैं और अपनी पूरी चमक बिखेरते हैं। इसके कारण पूरे 24 घंटे अत्यंत शुभ होते हैं। विवाह, मुंडन, गृह-प्रवेश या नए व्यापार की शुरुआत के लिए किसी ज्योतिषी से परामर्श लेने की आवश्यकता नहीं होती; यह दिन अपने आप में हर कार्य के लिए सर्वसिद्ध है।

दान का महत्व: भौतिक से आध्यात्मिक की ओर

अक्षय तृतीया केवल संचय (Accumulation) का नहीं, बल्कि वितरण (Distribution) का भी पर्व है। इस दिन जल से भरे कलश, पंखे, सत्तू, खरबूजे और अन्न का दान करना परम कल्याणकारी माना गया है। भीषण गर्मी के मौसम में शीतलता प्रदान करने वाली वस्तुओं का दान हमारे पूर्वजों के प्रति सम्मान और मानवता के प्रति प्रेम को दर्शाता है।

बाल विवाह की परंपरा : राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय तक अक्षय तृतीया पर सामाजिक मान्यताओं और रूढ़ियों के कारण छोटे बच्चों के विवाह कर दिए जाते थे। यह मानते थे कि इस दिन विवाह करने से दांपत्य जीवन सुखी और समृद्ध रहेगा।

बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक समस्या है, जो बच्चों के शारीरिक, मानसिक और शैक्षिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। कम आयु में विवाह होने से विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा बाधित होती है और वे स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों का सामना करती हैं। इसी कारण सरकार और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने इस कुप्रथा को रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं।

भारत में बाल विवाह को रोकने के लिए ''बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006'' लागू किया गया है, जिसके अंतर्गत बाल विवाह कराना दंडनीय अपराध है। राजस्थान सरकार और अनेक स्वयंसेवी संस्थाएँ अक्षय तृतीया के अवसर पर विशेष जागरूकता अभियान चलाती हैं। गाँव-गाँव में प्रशासनिक अधिकारी सतर्क रहते हैं ताकि कोई भी बाल विवाह न हो सके। विद्यालयों, पंचायतों और मीडिया के माध्यम से लोगों को शिक्षित किया जा रहा है कि बाल विवाह बच्चों के भविष्य के साथ अन्याय है।

आज के समय में जागरूकता और शिक्षा के प्रसार से राजस्थान में स्थिति में काफी सुधार आया है। समाज धीरे-धीरे समझ रहा है कि अक्षय तृतीया का वास्तविक महत्व शुभ कर्म, दान और नई सकारात्मक शुरुआत में है, न कि कुप्रथाओं को बढ़ावा देने में।

अत: अक्षय तृतीया हमें यह संदेश देती है कि परंपराओं का सम्मान करते हुए हमें समाज सुधार की दिशा में भी आगे बढ़ना चाहिए। विशेषकर राजस्थान के संदर्भ में, इस पावन पर्व को बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं से मुक्त कर, शिक्षा, समानता और सशक्तिकरण का प्रतीक बनाना ही सच्ची श्रद्धा और सामाजिक जिम्मेदारी है। **-रमेश गैदर**

मजबूत नींव, सुरक्षित भविष्यः भवन निर्माण से पूर्व ''मृदा परीक्षण'' की अनिवार्यता

भूमिका : इंसान अपनी पूरी उम्र की गाढ़े पसीने की कमाई और सपनों को एक-एक ईंट जोड़कर ''अपने घर'' की शक्ल देता है। जब भी भवन निर्माण की बात आती है, तो हमारा पूरा ध्यान आर्किटेक्ट के नक्शे, सीमेंट की गुणवत्ता और इंटीरियर की चकाचौंध पर होता है। लेकिन हम अक्सर उस बुनियादी आधार को भूल जाते हैं जिस पर यह पूरा निर्माण या ढांचा खड़ा होना है—वह है हमारी जमीन। जिस तरह एक ऊंचे और फलदार वृक्ष की मजबूती उसकी अदृश्य जड़ों में निहित होती है, ठीक उसी तरह किसी भी बहुमंजिला इमारत या साधारण मकान या किसी फैक्टरी की आयु और सुरक्षा उस जमीन की संरचना पर टिकी होती है जिस पर उसकी नींव रखी गई है। जिस तरह एक स्वस्थ शरीर के लिए रीढ़ की हड्डी का मजबूत होना जरूरी है, वैसे ही एक टिकाऊ भवन के लिए ''मृदा परीक्षण'' (Soil Testing) कराना अनिवार्य होना चाहिए । विज्ञान कहता है कि ऊपर से एक जैसी दिखने वाली जमीन के भीतर मिट्टी की परतों का व्यवहार अलग-अलग हो सकता है। आज के आलेख में हम इसी वैज्ञानिक पहलू पर चर्चा करेंगे कि क्यों एक जिम्मेदार नागरिक और निर्माता के रूप में हमें जमीन की सतह के नीचे झांकना आवश्यक है...

तकनीकी आधार और लाभ : मिट्टी की जाँच केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि वह विज्ञान है जो इंजीनियर को यह बताता है कि जमीन इमारत का भार संभालने के योग्य है या नहीं। इसके मुख्य तकनीकी लाभ निम्नलिखित हैं:

भार वहन क्षमता (Safe Bearing Capacity): इससे पता चलता है कि मिट्टी प्रति वर्ग मीटर कितना वजन उठा सकती है, जिससे नींव धंसने का खतरा टल जाता है।

रसायनों की जाँच (Soil Chemical Testing: मिट्टी में मौजूद सल्फर या क्लोराइड कंक्रीट और सरिये को समय से पहले गला सकते हैं। जाँच के बाद ही सही प्रकार के सीमेंट का चुनाव संभव हो पाता है।

जल स्तर (Water Table): जमीन के नीचे पानी की स्थिति जानकर ही नींव को ''वॉटरप्रूफ'' बनाने का निर्णय लिया जाता है, ताकि भविष्य में दीवारों पर सीलन (Dampness) न आए।

शेखावाटी का विशेष संदर्भ (सीकर, चूरू और झुंझुनू राजस्व जिला) : राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियाँ देश के अन्य हिस्सों से भिन्न हैं। यहाँ भवन निर्माण में तीन मुख्य चुनौतियाँ सामने आती हैं:

1. रेतीली और भुरभुरी मिट्टी (Sandy Soil) : सीकर, चूरू और झुंझुनू का अधिकांश हिस्सा थार मरुस्थल के करीब है। यहाँ की मिट्टी मुख्य रूप से ''सेंडी सॉइल'' है। इसकी सबसे बड़ी समस्या यह है कि इसमें 'कोहेजन' (कणों का आपस में जुड़ाव) बहुत कम होता है।

जोखिमः बिना जाँच के गहरी नींव न रखने पर मिट्टी खिसकने का डर रहता है, जिससे इमारत की नींव कमजोर हो सकती है।

2. ''कैल्करेयस परत'' (Calcareous Soils) चुने और कंकड़ की परत : शेखावाटी के कई इलाकों में जमीन के कुछ फीट नीचे ही कैल्शियम कार्बोनेट (कंकड़/चूना) की एक सख्त परत मिलती है।

विशेषता: यह परत कुछ मामलों में नींव को मजबूती देती है, लेकिन यदि यह परत असमान है, तो भवन का भार एक तरफ झुक सकता है। जाँच से पता चलता है कि नींव को इस सख्त परत के ऊपर रखना है या उसे भेदकर नीचे ले जाना है।

3. खारा पानी और लवणता (Salinity): चूरू और झुंझुनू के कई क्षेत्रों में भूजल खारा है। मिट्टी में लवण (Salts) की मात्रा भी अधिक पाई जाती है।

नुकसानः यह खारापन नींव के सरिये में ''कैंसर'' (जंग) की तरह काम करता है। जाँच के बाद ही यहाँ ''सल्फेट रेजिस्टेंट सीमेंट'' (Sulphate Resistant Cement) या विशेष कोटिंग वाले सरिये के उपयोग की सलाह दी जाती है।

4. तापीय विस्तार (Thermal Expansion): चूरू और सीकर में तापमान का अंतर (सर्दियों में 0°C और गर्मियों में 50°C) बहुत अधिक होता है। मिट्टी का अत्यधिक गर्म और ठंडा होना भी नींव की स्थिरता को प्रभावित करता है।

''क्या आप जानते हैं? शेखावाटी की रेतीली मिट्टी में 'राफ्ट फाउंडेशन' या 'पाइल फाउंडेशन' नींव को अधिक मजबूती प्रदान करती है।''

मिट्टी का प्रकार: रेतीली, चिकनी या काली मिट्टी—हर प्रकार की मिट्टी के लिए अलग तरह की फाउंडेशन (नींव) की आवश्यकता होती है।

भूकंप से सुरक्षा: वैज्ञानिक जाँच से पता चलता है कि भूकंप की स्थिति में मिट्टी का व्यवहार कैसा होगा।

जाँच न कराने के नुकसान (Risks): दीवारों में समय से पहले दरारें (Cracks) आना, इमारत का एक तरफ झुक जाना या नींव का बैठ जाना, सीलन की समस्या, जिससे सरिया में जंग लग जाती है, भविष्य में मरम्मत पर होने वाला भारी खर्च आता है।

प्रमुख तकनीकी परीक्षण (Common Tests) : Moisture Content Test: मिट्टी में नमी की मात्रा जानने के लिए।

Atterberg Limits Test: मिट्टी की प्लास्टिसिटी और सिकुड़ने के व्यवहार को समझने के लिए।

Standard Penetration Test (SPT): मिट्टी की सघनता मापने के लिए।

मिट्टी की भार वहन क्षमता (Safe Bearing Capacity - SBC) : प्रत्येक जमीन की अपनी एक क्षमता होती है कि वह प्रति वर्ग मीटर कितना वजन सहन कर सकती है। वैज्ञानिक जाँच से हमें मिट्टी की SBC का पता चलता है। यदि मिट्टी कमजोर है और उस पर भारी आरसीसी ढांचा खड़ा कर दिया जाए, तो नींव धीरे-धीरे धंसने लगती है। जाँच के बाद इंजीनियर यह तय कर पाते हैं कि नींव की चौड़ाई और गहराई कितनी होनी चाहिए ताकि वजन समान रूप से वितरित हो सके।

मिट्टी की भौतिक और रासायनिक संरचना : मिट्टी केवल धूल के कण नहीं है, इसमें कई खनिज और रसायन होते हैं। जाँच के दौरान यह देखा जाता है कि सल्फर और क्लोराइड की मात्रा यदि मिट्टी में ये तत्व अधिक हैं, तो ये कंक्रीट और सरिये को बहुत जल्दी गला (Corrosion) सकते हैं।

मिट्टी का प्रकार: काली मिट्टी (Black Cotton Soil) गीली होने पर फूलती है और सूखने पर सिकुड़ती है। ऐसी जमीन पर बिना विशेष तकनीक (जैसे 'अंडर रीम्ड पाइल') के घर बनाना आत्मघाती हो सकता है।

जल स्तर (Water Table) की स्थिति : जमीन के भीतर पानी का स्तर कितना गहरा है, यह नींव की उम्र तय करता है। यदि जल स्तर ऊँचा है, तो नींव के डिजाइन में "वॉटरप्रूफिंग" और विशेष सीमेंट का उपयोग अनिवार्य हो जाता है। परीक्षण के बिना नींव डालने पर भविष्य में "**केशिकात्त्व क्रिया**" (Capilary Action) के कारण दीवारों में ऐसी सीलन आती है जिसे दुनिया का कोई भी महंगा पेंट नहीं छुपा सकता।

सेटलमेंट (Settlement) का आकलन : इमारत बनने के कुछ वर्षों बाद अक्सर मिट्टी अपने आप को सेट करती है। यदि मिट्टी का परीक्षण पहले ही हो चुका है, तो इंजीनियर यह अनुमान लगा लेते हैं कि भविष्य में इमारत कितनी "सेटल" होगी। इससे "डिफरेंशियल सेटलमेंट" (इमारत का एक तरफ झुकना) जैसी गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है।

भूकंप और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशीलता : हमारा प्रदेश जिस भूकंपीय क्षेत्र (Seismic Zone) में आता है, उसके अनुसार मिट्टी का व्यवहार जानना अत्यंत आवश्यक है। रेतीली या ढीली मिट्टी भूकंप के झटकों को बढ़ा देती है। मृदा परीक्षण से यह स्पष्ट हो जाता है कि भूकंप की स्थिति में मिट्टी कहीं पानी की तरह व्यवहार (Soil Liquefaction) तो नहीं करने लगेगी।

आम नागरिकों के लिए सलाह (Practical Advice): किसी रजिस्टर्ड जियोटेक्निकल इंजीनियर (Geotechnical Engineer) से ही जाँच कराएं। जाँच रिपोर्ट के आधार पर ही स्ट्रक्चरल इंजीनियर से नींव का डिजाइन तैयार करवाएं। यह प्रक्रिया खर्चीली लग सकती है, लेकिन यह भवन की उम्र 20-30 साल बढ़ा देती है। "मिट्टी की जाँच, घर की सुरक्षा की पहली आंच।" सॉइल टेस्टिंग की प्रक्रिया आमतौर पर 3 चरणों में पूरी होती है:

फील्ड वर्क (Boring): निर्माण स्थल पर मशीन द्वारा 5 से 10 फीट (या जरूरत अनुसार) गहराई तक गड्ढे किए जाते हैं और मिट्टी के नमूने (Samples) इकट्ठा किए जाते हैं।

लैब टेस्टिंग: इन नमूनों को प्रयोगशाला भेजा जाता है जहाँ इनकी मजबूती, नमी, खारापन और भार सहने की क्षमता की जाँच होती है।

रिपोर्ट तैयार करना: जाँच के आधार पर एक "सॉइल टेस्ट रिपोर्ट" दी जाती है, जिसमें इंजीनियर यह सुझाव देता है कि नींव की गहराई कितनी होनी चाहिए और किस तरह का लोहा/सीमेंट इस्तेमाल करना चाहिए।

सॉइल टेस्टिंग सेंटर (कहाँ कराएं जाँच ?): शेखावाटी क्षेत्र और राजस्थान में आप इन जगहों पर संपर्क कर सकते हैं:

सरकारी केंद्र: जिला मुख्यालय पर स्थित सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) की लैब या राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज (जैसे बीकानेर या जयपुर के इंजीनियरिंग कॉलेज)।

निजी लैब: सीकर, झुंझुनू और जयपुर में कई NABL प्रमाणित प्राइवेट जियोटेक्निकल लैब मौजूद हैं। (आप Google पर "Soil Testing Lab near me" सर्च कर सकते हैं)।

अनुमानित फीस (Fees): साधारण आवासीय मकान (Residential) एक सामान्य घर (G+1 या G+2) के लिए जाँच की फीस लगभग रु. 5,000 से रु. 15,000 के बीच होती है। बड़ी इमारत या कमर्शियल प्रोजेक्ट की फीस साइट की दूरी और टेस्ट की संख्या के आधार पर यह रु. 20,000 से रु. 50,000 तक जा सकती है। यह फीस अलग-अलग लैब और शहर के अनुसार बदल सकती है। दैनिक आस-पास के सुधि पाठकों के लिए सलाह है कि सॉइल टेस्ट हमेशा निर्माण कार्य शुरू होने (Excavation) से पहले करवाएं। एक बार नींव खुद जाने के बाद जाँच का लाभ कम हो जाता है।"

सावधानी ही सुरक्षा है : अक्सर लोग इसे अतिरिक्त खर्च मानते हैं, जबकि मृदा परीक्षण की लागत निर्माण की कुल लागत का 1% भी नहीं होती। लेकिन यह छोटा सा निवेश आपके 100% निवेश की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। शेखावाटी की ऐतिहासिक हवेलियाँ आज भी इसीलिए खड़ी हैं क्योंकि उन्हें जमीन के स्वभाव को समझकर बनाया गया था।

निष्कर्ष : आज के आधुनिक दौर में जब हम गगनचुंबी इमारतें बना रहे हैं, तब सावधानी और भी जरूरी है। नींव डालने से पहले किसी रजिस्टर्ड जियोटेक्निकल इंजीनियर या स्ट्रक्चरल इंजीनियर से मिट्टी की जाँच अवश्य कराएं। याद रखें, भवन ईंटों से बनता है, लेकिन एक सुरक्षित घर केवल "मजबूत नींव" पर ही टिकता है। सावधानी ही सुरक्षा की पहली ईंट है।

- **डॉ जगदीश कुमावत,** मैनेजिंग डायरेक्टर, विविद प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंसी (VIVID P.M.C.), सीकर

तरबूज की वैज्ञानिक एवं जैविक खेती: गर्मी में लाभकारी और सुरक्षित फसल

तरबूज एक बेलवाली, गर्मी के मौसम में उगाई जाने वाली कद्दूवर्गीय महत्वपूर्ण फसल है। हमारे देश में यह अत्यंत लोकप्रिय फल है, जिसका उपयोग फ्रूट डिश, जूस, शरबत और स्क्वैश के रूप में व्यापक रूप से किया जाता है। गर्मियों में इसकी मांग अधिक रहती है, जिससे यह किसानों के लिए आर्थिक रूप से लाभकारी फसल सिद्ध होती है। पोषण की दृष्टि से तरबूज अत्यंत उपयोगी है। प्रति 100 ग्राम फल में लगभग 95.8 ग्राम पानी होता है, जो शरीर को ठंडक और ताजगी प्रदान करता है तथा लू और निर्जलीकरण से बचाता है। इसमें लगभग 119 मि.ग्रा. पोटेशियम पाया जाता है, जो हृदय स्वास्थ्य और रक्तचाप संतुलन के लिए महत्वपूर्ण है। साथ ही यह विटामिन 'ए' और 'सी' तथा लौह तत्व का भी अच्छा स्रोत है।

प्रमुख किस्में : तरबूज की उन्नत किस्मों एवं संकरों में शुगर बेबी, अर्का मानिक और अर्का ज्योति प्रमुख हैं। जैविक खेती के लिए स्थानीय जलवायु के अनुकूल तथा रोग प्रतिरोधी किस्मों का चयन करना अधिक लाभकारी रहता है।

भूमि एवं जलवायु : मध्यम काली, रेतीली दोमट तथा कार्बनिक पदार्थों से भरपूर मृदा जैविक तरबूज खेती के लिए उपयुक्त है। 6.5-7.0 पी-एच वाली भूमि सर्वोत्तम रहती है। गर्म एवं शुष्क जलवायु, 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान तथा ठंडी रातें फल की मिठास बढ़ाती हैं। खेत की गहरी जुताई कर 20-25 टन प्रति हेक्टेयर अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर खाद या कम्पोस्ट मिलाएं। 2-3 टन वर्मी कम्पोस्ट भी दिया जा सकता है। 250-300 किलोग्राम नीम खली प्रति हेक्टेयर डालना लाभकारी है। जैविक खेती में भूमि की उर्वरता बढ़ाने के लिए हरी खाद (ढेंचा/सन) को जुताई से पहले खेत में पलट देना चाहिए।

बीज एवं बीजोपचार (जैविक विधि) : बीज दर उन्नत किस्मों के लिए 2.5-3 किलोग्राम तथा संकर के लिए 750-875 ग्राम प्रति हेक्टेयर पर्याप्त है। रासायनिक दवाओं के स्थान पर बीजों को ट्राइकोडर्मा या स्यूडोमोनास जैव फफूंदनाशक 5-10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज से उपचारित करें। गौमूत्र या जीवामृत घोल में 30 मिनट डुबोकर सुखाकर भी बुआई की जा सकती है।

जैविक बुआई एवं पोषण प्रबंधन : रेज्ड बेड एवं मल्चिंग तकनीक जैविक खेती में भी उपयोगी है। पोषण के लिए जीवामृत, घनजीवामृत, पंचगव्य या कम्पोस्ट चाय का 15-20 दिन के अंतराल पर प्रयोग करें। बुवाई के 20-25 दिन बाद वर्मी कम्पोस्ट 1-2 किलो प्रति पौधा देना लाभकारी रहता है। फसल की बढ़वार के समय समुद्री शैवाल घोल या छाछ का छिड़काव पौधों को सशक्त बनाता है।

सिंचाई प्रबंधन : टपक सिंचाई जैविक खेती में सर्वोत्तम रहती है। प्रारंभिक अवस्था में हल्की सिंचाई करें और फलधारण के समय नमी बनाए रखें। जल जमाव से बचें, क्योंकि इससे जड़ रोग बढ़ सकते हैं।

कीट एवं रोग प्रबंधन (जैविक उपाय) : नीम तेल 5 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर 10-15 दिन के अंतराल पर छिड़काव करें। लहसुन-मिर्च अर्क या दशपर्णी अर्क का उपयोग रस चूसक कीटों के नियंत्रण में प्रभावी है। फेरोमोन ट्रैप और पीले चिपचिपे ट्रैप सफेद मक्खी व अन्य कीट नियंत्रण में सहायक हैं।

जैविक तरबूज खेती के फायदे : जैविक खेती से उत्पादन लागत कम होती है और मृदा की उर्वरता लंबे समय तक बनी रहती है। फल रसायन मुक्त होने से बाजार में बेहतर दाम मिलते हैं। निर्यात एवं प्रीमियम बाजार में जैविक तरबूज की मांग अधिक रहती है। पर्यावरण संरक्षण, जल और मृदा प्रदूषण में कमी तथा किसानों के स्वास्थ्य की सुरक्षा भी इसके प्रमुख लाभ हैं। इस प्रकार जैविक पद्धति से तरबूज की खेती अपनाकर किसान सुरक्षित उत्पादन के साथ बेहतर लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

- **डॉ. शीतल कुमावत,** कीट विज्ञान शोधकर्ता

2 मिनट रीड

थोड़ा मुस्कुरा लीजिए

अजी छोडिये नाराजगी, थोड़ा मुस्कुरा लीजिए। थोड़ा मुस्कुराने से बच्चे भी खुश हो जायेंगे, नहीं तो उदास सा चेहरे लेकर इधर-उधर बैठ जायेंगे। थोड़ा मुस्कुराने से कुछ जाता नहीं है, यह समझना जरूरी है कि कुछ आता ही आता है। जब थोड़ा मुस्कुराने से रक्त प्रवाह संतुलित होगा तो कुछ अच्छा करने का जरूर मन करेगा। जानते हो, जो जीवन में मुस्कुराहट लाता है उससे रिश्ते अपने-आप बनते हैं, काम बनता ही है बिगड़ता कुछ नहीं। ये तो हमें समझना ही होगा खुशी के वक्त तो मुस्कुराना ही होगा।

रोनी सूरत बनाने से तो बनते काम बिगड़ जाते हैं और फिर दर-दर की ठोकरें मुफ्त में खानी पड़ती है, सोचिए कितनी मुसिबतें आ जायेगी, जो मना करने पर भी नहीं जायेगी। ये हमें तनाव एवं अवसाद की ओर ले जायेगी, लाख जतन करने पर भी स्थिति सुधर नहीं पायेगी।

उपाय एक ही है इन सबसे बचने का, बस **थोड़ा मुस्कुरा लीजिए।** यह मुफ्त की दवा है इसे जरूर लीजिए।

- **अमिता कुमावत**

शाहपुरा के परमेश्वर कुमावत को दीक्षांत समारोह में पीएचडी की उपाधि

स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल, शाहपुरा के वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत) डॉ. परमेश्वर प्रसाद कुमावत को संगम विश्वविद्यालय के 12वें दीक्षांत समारोह में माता-पिता की गरिमामयी उपस्थिति में डॉक्टरेट (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की गई। विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनकी विशेष इच्छा का सम्मान करते हुए मंच पर माता श्रीमती गीता देवी व पिता श्री मोहन लाल कुमावत (माण्डेला) के साथ डिग्री प्रदान की, जिससे समारोह का वातावरण भावुक और प्रेरणादायक बन गया।

इन्होंने डॉ. रजनीश शर्मा के निर्देशन में पंडित सत्यनारायण शास्त्री विरचित **''श्रीसंस्कृतदोहासप्तशती एवं साहित्यसुधासौहित्यम् का समीक्षात्मक अध्ययन''** विषय पर अपना शोध कार्य पूर्ण किया।

उपाधि प्राप्ति के बाद डॉ. कुमावत ने कहा कि यह उपलब्धि उनके माता-पिता के आशीर्वाद, त्याग और गुरुजनों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने भावुक होकर अपनी पीएचडी उपाधि माता-पिता एवं गुरु को समर्पित की। साथ ही उन्होंने बताया कि गांव से प्रथम डॉक्टरेट बनने का सौभाग्य मिलना उनके लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों है।

शिक्षकों और विद्यार्थियों ने इसे प्रेरणादायक उपलब्धि बताते हुए कहा कि डॉ. कुमावत की सफलता से क्षेत्र में उच्च शिक्षा के प्रति नई चेतना का संचार होगा। डा. कुमावत का कहना है कि डिग्री ग्रहण करते समय पारम्परिक वेशभूषा तथा माता पिता की मंच पर उपस्थित भी हो, इस आश्रम का पत्र प्रधानमंत्री व सम्बन्धित को लिख रहे है।

डॉ. परमेश्वर कुमावत को पी.एच.डी. की डिग्री मिलने पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

शीतल कुमावत को गोल्ड मैडल एवं पी. एच.डी. की डिग्री प्रदान

डॉ. शीतल कुमावत पत्नी श्री एकांश नेमीवाल निवासी पोल्ट्री फार्म एस्टेट, आगरा रोड, जयपुर द्वारा पीएचडी उच्चतम अंकों से उत्तीर्ण करने के कारण हाल ही में कृषि मंत्री श्री किरोड़ीलाल मीणा द्वारा डॉक्ट्रेट की डिग्री तथा गोल्ड मैडल देकर हाल ही में सम्मानित किया गया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से डॉ. शीतल कुमावत को हार्दिक बधाई।

कुमावत समाज, मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव सम्पन्न

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव-2026 में चुनाव अधिकारी श्री विजय कारगवाल ने अधिसूचना जारी कर निम्न प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित किया जाना घोषित किया:- अध्यक्ष : भारती तोंदवाल, उपाध्यक्ष : धनन्जय वर्मा, मंत्री : गौरव अजमेरा, उप मंत्री : अनिल वर्मा (भदानिया), आशुतोष कुमावत (कोलूगरिया) एवं डॉ. प्रिया मारवाल (वर्मा)(खडगटा), कोषाध्यक्ष : सुरेन्द्र बाबू घोड़ीवाल, सहायक कोषाध्यक्ष : महेन्द्र कुमावत, संगठन एवं प्रचार मंत्री हेमन्त कुमावत, कार्यकारिणी सदस्य : प्रमोद कुमावत, रवि कुमार वर्मा (घोड़ीवाल), रमेश चन्द कुमावत, श्रीमती शशि कुमावत (घोड़ीवाल) तथा पूनम कुमावत। ज्ञातव्य है कि पिछली बार भी भारती तोंदवाल की टीम निर्विरोध निर्वाचित हुई थी।

सभी निर्वाचित प्रत्याशियों को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

नेपाल चुनाव में बालेंद्र शाह की पार्टी की जीत

नेपाल के रैपर बालेंद्र शाह ने केपी शर्मा ओली को झापा-5 से हराकर ओली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की है। केपी शर्मा ओली चार बार नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं।

यह चुनाव भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़े पैमाने पर हुए प्रदर्शनों के छह महीने बाद हुए थे, जिससे सरकार गिर गई थी। यह जीत बालेंद्र के एक बड़े दांव को दिखाती है, जिन्होंने काठमांडू के मेयर पद से इस्तीफा देकर चार बार के प्रधानमंत्री ओली को उनके ही गढ़ में चुनौती दी थी। उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को संसदीय बहुमत मिलने से उनका है प्रधानमंत्री बनना तय है।

राजस्थान कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग ने जिला प्रभारी नियुक्त किये

भारती कुमावत

अमरचंद मण्डावरा

राजस्थान कॉंग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के अध्यक्ष श्री हरसहाय यादव ने कुछ कुमावत जनों को उनकी योग्यता, संगठनात्मक शक्ति तथा पार्टी के प्रति निष्ठा को ध्यान रखकर जिला प्रभारी नियुक्त किया है, इनमें है :

1. भारती कुमावत, जयपुर ग्रामीण पश्चिम (OBC) जिला प्रभारी।
2. श्री अमर चंद मंडावरा, जयपुर शहर।
3. श्री गजानंद कुमावत, जयपुर ग्रामीण पूर्व।
4. श्री नरेन्द्र मारवाल, दौसा।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से इन सभी को हार्दिक बधाई।

नेहा कुमावत पुत्री श्री भंवर सहाय कुमावत का नर्सिंग ऑफिसर पद पर चयन होने पर बहुत बहुत बधाई उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

समाज के अभ्यार्थियों का असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन

कुमावत समाज में शिक्षा के विस्तार के साथ हम अब राजकीय सेवाओं में समाज के बच्चों का विभिन्न पदों पर चयन देख हर्षित होते हैं। अब हमारे कुमावत समाज के बच्चे उच्च शिक्षित हो रहे हैं तथा अपने दम पर उच्च पदों पर चयनित हो परिवार एवं समाज का नाम रोशन कर रहे हैं। हाल ही में राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा के माध्यम से **असिस्टेन्ट प्रोफेसर (ABST)** के पद पर निम्न प्रतिभाओं का चयन हुआ है:-

12वीं रैंक-**भावना कुमावत** पुत्री श्री राकेश कुमावत (राजोरिया)। इनके पिता टेलरिंग व्यवसाय में हैं तथा सीमित संसाधनों से इन्होंने यह सफलता पायी है।

32वीं रैंक-**मदन लाल कुमावत** इससे पूर्व ये सांख्यिकी अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। यह सफलता इनके अथक परिश्रम, लगन और धैर्य के कारण मिली है।

39वीं रैंक-**सीताराम कुमावत** -निरन्तर अध्ययन एवं दृढ़ संकल्प के साथ इन्होंने सीमित संसाधनों से यह सफलता प्राप्त की है।

इन सभी को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई एवं उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

ग्रामीण बैंक में PO पद पर चयनित विवेक कुमावत, संजय कुमावत एवं अरुण कुमावत

1. फुलेरा के **विवेक कुमावत** पुत्र श्री रामअवतार कुमावत, 2. ब्यावर के **संजय कुमावत** पुत्र श्री कैलाश कुमावत, 3. **अरुण कुमावत** निवासी उज्जैन का राजस्थान ग्रामीण बैंक में PO (असिस्टेंट मैनेजर) के पद पर चयन हुआ है।

तीनों अभ्यर्थियों को ग्रामीण बैंक PO (असिस्टेंट मैनेजर) चयन होने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई एवं उज्वल भविष्य के लिए शुभकामना।

आगामी सामूहिक विवाह

20 अप्रेल 2026 - छबड़ा, बारां, 25 अप्रेल 2026 - खेड़ापति बालाजी, फागी, 1 मई 2026 - पुष्कर, अजमेर

अमरचंद मंडावरा कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त

जयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद के निर्देशानुसार राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग में अमरचंद मंडावरा को प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति से प्रदेश में पार्टी संगठन को और मजबूती मिलेगी। साथ ही अन्य पिछड़ा वर्ग के सामाजिक और राजनीतिक उत्थान के लिए वे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

मानस्वी कुमावत बनेगी डॉक्टर

खिजूर की ढाणी, आकेड़ा चौड़, भट्टों की गली रामपुरा, जयपुर की मानस्वी कुमावत ने भावी डाक्टर बनने के लिए परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। बहुत-बहुत बधाई।

राम मंदिर अयोध्या में श्री यंत्र की स्थापना

अयोध्या 19 मार्च, 2026 को चैत्र प्रतिपदा हिन्दू नववर्ष तथा नवरात्र के पहले दिन महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू ने 150 किलो वजनी श्रीराम यंत्र की स्थापना मंदिर के द्वितीय तल पर राम दरबार में की।

हमारी सनातन परम्परा में प्रत्येक देवी-देवता के एक यंत्र की स्थापना एवं पूजा-पाठ का विधान है। इस यंत्र में विशेष ज्यामितीय संरचना होती है जो ब्रह्माणीय ऊर्जा का एक गणितीय और आध्यात्मिक रूप माना जाता है। यह यंत्र विशेष धातू का बना है जो श्रीराम की शक्ति का प्रतिक माना जाएगा। इस यंत्र को कांचीपूरम तमिलनाडू के मठ में तैयार किया गया है जिस पर सोने की परत चढ़ी हुई है। इस यंत्र की स्थापना से श्री रामलला के मंदिर में एक नया आयाम जुड़ गया है।

इस गरिमामयी अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनन्दीबेन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित थे।

राजसिंह कुमावत पदोन्नत एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित

श्री राजसिंह कुमावत पुत्र श्री कृष्ण गोपाल कुमावत (गैदर) (के. जी. रेडियोज) का मुख्य कार्यालय अधीक्षक (चिकित्सा) के पद पर पदोन्नति हुई है।

राजसिंह कुमावत पुत्र श्री कृष्ण गोपाल कुमावत (गैदर), निवासी जयपुर ने राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर तथा कंप्यूटर में 'ऑफिस ऑटोमेशन' A+ ग्रेड के साथ डिप्लोमा व 'इलेक्ट्रॉनिक्स' में A+ ग्रेड के साथ डिप्लोमा हासिल किया है।

इन्हें इस वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं हेतु प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक, उ.प.रे. स्तर पर प्रशस्ति-पत्र पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया है।

इन्होंने अपने परिवार एवं कुमावत समाज का नाम रोशन किया है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से इन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की कामना।

सादर श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती सावित्री देवी

स्व. 16.2.2026

एवं

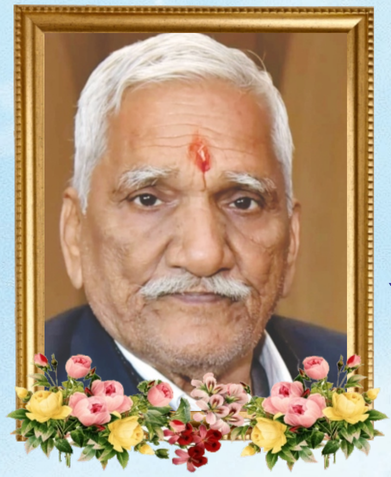

स्व. 10.3.2026

श्री पुरुषोत्तम किरोड़ीवाल

निवासी बोरीवली (मुम्बई)

जन्म स्थली दांता

(जिला सीकर राज.)

को अश्रूपुरित श्रद्धांजलि

श्रद्धावनत

श्रीमती माया देवी-स्व. श्री राजाराम जी (माता-पिता),

श्रीमती ललिता-विरेन्द्र सिंह तारकसी (पुत्री-दामाद),

श्रीमती चन्द्रकला-सुरेन्द्र सिंह, श्रीमती पुष्पा-विपिन कुमावत, देवास, प्रियंका-नितेश जी,

भाविका-दीपक जी (दोहिती-जंवाई), हर्ष-ज्योति (दोहिता-दोहिता वधु)

फर्म : लक्ष्मी आभूषण मंदिर, यूनिवर्सिटी मार्ग, बापूनगर, जयपुर मो.: 9829079497

देश की उम्मीदें पूरी... तीसरी बार जीत ली दुनिया

अहमदाबाद के मोदी स्टेडियम की गूंज और टीम इंडिया की धमाकेदार जीत ने रविवार को T20 वर्ल्ड कप के इतिहास में नया स्वर्णिम अध्याय रच दिया। भारत के 256 रनों के पहाड़ जैसे लक्ष्य के सामने न्यूजीलैंड की पूरी टीम 19 ओवर में 159 रनों पर ही वह गई। इसी के साथ भारत अपना T20 वर्ल्ड कप खिताब बचाने वाली दुनिया की पहली टीम बन गई।

भारत का 255/5 का स्कोर T20 वर्ल्ड कप इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर भी बन गया। श्रीलंका 260 रनों के साथ टॉप पर। भारत के जिम्बाब्वे के खिलाफ 256 रन दूसरे पर है। संयोग ये भी है कि पिछले साल मार्च में रविवार के दिन ही भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी। अहमदाबाद के मोदी स्टेडियम में टीम इंडिया पहली बार फाइनल जीती है।

बड़े रिकॉर्ड की झड़ी... सबसे तेज पारी, सबसे बड़ा स्कोर... फिर सबसे बड़ी जीत

- **सबसे बड़ा टीम स्कोर :** टीम इंडिया का 255/5 T20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बना।
- **सर्वाधिक T20 खिताब:** भारत अब 3 बार T20 वर्ल्ड कप खिताब (2007, 2024, 2026) जीतने बाला दुनिया का पहला देश बन गया।

  भारत ने इंग्लैंड और वेस्टइंडीज (प्रत्येक के पास 2-2 खिताब) को पीछे छोड़ दिया।
- **लगातार दूसरी बार चैम्पियन:** भारत ने लगातार दो बार T20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रच दिया है।
- **मेजबान की पहली जीत:** भारत अपने देश में T20 वर्ल्ड कप जीतने बाला पहला मेजबान राष्ट्र बन गया। 2024 में हम वेस्ट इंडीज में जीते थे।
- **सबसे तेज अर्धशतक:** अभिषेक ने 18 गेंदों में T20 वर्ल्ड कप फाइनल का सबसे तेज अर्धशतक बना दिया।
- **सबसे बड़ी पार्टनरशिप:** अभिषेक शमां और संजू के बीच 98 रनों की साझेदारी, जो T20 वर्ल्ड कप फाइनल की सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी है।

शेष पृष्ठ 23 पर...

निर्विरोध निर्वाचन पर समाजजनों का आभार

अध्यक्ष
भारती तोंदवाल

उपाध्यक्ष
धनंजय लोरवाड़िया

उपाध्यक्ष (महिला)
माया घोड़ीवाल

मंत्री
गौरव अजमेरा

कोषाध्यक्ष
सुरेन्द्र घोड़ीवाल

संगठन एवं प्रचार मंत्री
हेमन्त कुलचानिया

उपमंत्री
आशुतोष कोलुगरिया

उपमंत्री
अनिल वर्मा

उपमंत्री (महिला)
प्रिया मारवाल

सहा. कोषाध्यक्ष
महेन्द्र कोलुगरिया

सदस्य
रमेश गैदर

सदस्य
प्रमोद कुमावत

सदस्य
रवि घोड़ीवाल

सदस्या
शशि घोड़ीवाल

सदस्या
पूनम कुमावत

समस्त निर्वाचित उम्मीदवार

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर

परिवर्तन ही जीवन है

वक्त की रफ्तार के साथ कदम मिलाना सीखिए, वरना अवसर पीछे छूट जाएंगे।

जब मैं जीवन के लंबे सफर को पीछे मुड़कर देखती हूँ, तो एक बात बार-बार मेरे मन में स्पष्ट होती है—जीवन का दूसरा नाम ही परिवर्तन है। समय कभी ठहरता नहीं, परिस्थितियाँ कभी स्थिर नहीं रहतीं और मनुष्य भी उसी धारा का हिस्सा है जो निरंतर आगे बढ़ती रहती है।

कभी-कभी मैं सुबह की पहली किरण को खिड़की से भीतर आते हुए देखती हूँ। वही सूरज जो कल भी था, आज भी है, पर हर सुबह उसका रंग थोड़ा अलग होता है, उसकी रोशनी का स्पर्श अलग होता है। प्रकृति मानो हर दिन हमें यह समझाने की कोशिश करती है कि परिवर्तन से ही जीवन की सुंदरता जन्म लेती है।

यदि संसार में कोई बदलाव न हो, तो जीवन एक ठहरे हुए तालाब की तरह हो जाएगा। लेकिन बहती हुई नदी की तरह जीवन में भी गति है, और यही गति हमें आगे बढ़ाती है।

भारतीय संस्कृति में परिवर्तन का दर्शन

मैंने जब भारतीय संस्कृति को समझने की कोशिश की, तो पाया कि हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्ष पहले ही यह सत्य जान लिया था कि संसार में कोई भी वस्तु स्थायी नहीं है। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि यह संसार परिवर्तनशील है। जन्म और मृत्यु, सुख और दुख, सफलता और असफलता—सब समय के साथ बदलते रहते हैं। भारतीय संस्कृति की यही सबसे बड़ी विशेषता रही है कि उसने परिवर्तन को अपनाया, लेकिन अपने मूल मूल्यों को कभी नहीं छोड़ा।

हमारी सभ्यता हजारों वर्षों से जीवित है क्योंकि उसने हर युग के साथ स्वयं को ढालना सीखा है। जब वैदिक काल था, तब समाज की संरचना अलग थी। जब बौद्ध और जैन धर्म का उदय हुआ, तब विचारों में एक नया परिवर्तन आया। मध्यकाल में भक्ति आंदोलन ने समाज को नई दिशा दी। और आधुनिक भारत में स्वतंत्रता आंदोलन ने लोगों की सोच को पूरी तरह बदल दिया। हर युग में परिवर्तन हुआ—और उसी परिवर्तन ने समाज को आगे बढ़ाया।

इतिहास हमें क्या सिखाता है : इतिहास के पन्ने इस बात के साक्षी हैं कि जो व्यक्ति और समाज परिवर्तन को स्वीकार करते हैं, वही महान बनते हैं। जब मैं सम्राट अशोक के जीवन को पढ़ती हूँ, तो मुझे हमेशा एक गहरी प्रेरणा मिलती है। कलिंग युद्ध के बाद जब उन्होंने हजारों लोगों की पीड़ा देखी, तो उनके भीतर एक गहरा परिवर्तन आया। एक विजेता राजा ने अपने जीवन का मार्ग बदल दिया और शांति तथा धर्म का मार्ग अपनाया। यही परिवर्तन उन्हें इतिहास में महान बनाता है।

इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद ने भारतीय युवाओं को एक नया दृष्टिकोण दिया। उन्होंने कहा कि हमें केवल अतीत की महिमा में नहीं जीना चाहिए, बल्कि नए युग की चुनौतियों को स्वीकार करना चाहिए।

जब मैं स्वतंत्रता आंदोलन के बारे में सोचती हूँ, तो महात्मा गांधी का जीवन मेरे सामने आ जाता है। उन्होंने दुनिया को यह सिखाया कि संघर्ष केवल हथियारों से नहीं, बल्कि सत्य और अहिंसा से भी लड़ा जा सकता है। यह विचार उस समय दुनिया के लिए नया था, लेकिन उसी परिवर्तन ने भारत को स्वतंत्रता की ओर अग्रसर किया।

परिवर्तन से डर क्यों लगता है : मैंने जीवन में कई लोगों को देखा है जो परिवर्तन से घबराते हैं। उन्हें लगता है कि जो है वही सुरक्षित है, और नया रास्ता अनिश्चित होता है। लेकिन सच यह है कि परिवर्तन से डरना मनुष्य की सबसे बड़ी बाधा बन जाता है। यदि एक बीज यह सोचकर मिट्टी में जाने से इंकार कर दे कि वहाँ अंधेरा है, तो वह कभी वृक्ष नहीं बन पाएगा। उसे मिट्टी में दबना पड़ता है, संघर्ष करना पड़ता है, तभी वह एक विशाल वृक्ष के रूप में विकसित होता है। जीवन भी कुछ ऐसा ही है। हमें कई बार अपने पुराने विचारों और सीमाओं को छोड़ना पड़ता है, तभी हम नई ऊँचाइयों तक पहुँच सकते हैं।

आधुनिक समय और परिवर्तन : आज का युग परिवर्तन का सबसे तेज दौर है। विज्ञान और तकनीक ने दुनिया को इतनी तेजी से बदल दिया है कि जो चीज कल तक असंभव लगती थी, वह आज सामान्य हो गई है। एक समय था जब लोग चिट्ठियों के सहारे अपने प्रियजनों से संवाद करते थे। महीनों तक उत्तर का इंतजार किया जाता था। आज मोबाइल फोन और इंटरनेट ने पूरी दुनिया को एक छोटे से दायरे में समेट दिया है।

शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार : हर क्षेत्र में बदलाव की गति बढ़ती जा रही है। ऐसे समय में यदि हम स्वयं को बदलने के लिए तैयार नहीं होंगे, तो हम पीछे रह जाएंगे।

इसलिए आज सबसे बड़ी आवश्यकता यह है कि हम सीखना बंद न करें। हमें अपने विचारों को खुला रखना होगा और नई परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को विकसित करना होगा।

बदलाव ही विकास है : मेरे अनुभव में जीवन में आगे वही लोग बढ़ते हैं जो सीखने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। वे समय के साथ स्वयं को बदलते हैं, अपने ज्ञान को बढ़ाते हैं और नई चुनौतियों को स्वीकार करते हैं।

जो लोग केवल अतीत की उपलब्धियों पर ही गर्व करते रहते हैं, वे धीरे-धीरे समय से पीछे छूट जाते हैं।

इसलिए मैं अक्सर अपने मन से यही कहती हूँ—

''समय की रफ्तार के साथ कदम मिलाना सीखो, क्योंकि अवसर किसी का इंतजार नहीं करते।'' जो लोग बदलते वक्त के साथ खुद को नहीं बदलते, उनके लिए सफलता के द्वार सच में कभी नहीं खुलते।

अंत में..

जब मैं जीवन को एक स्त्री के दृष्टिकोण से देखती हूँ, तो मुझे लगता है कि परिवर्तन ही वह शक्ति है जिसने हमें आगे बढ़ाया है। एक बेटी का स्त्री बनना, एक स्त्री का माँ बनना, एक परिवार का पीढ़ियों के साथ बदलना—सब जीवन की निरंतर यात्रा के हिस्से हैं। जीवन की यह यात्रा हमें हर दिन सिखाती है कि स्थिरता नहीं, बल्कि परिवर्तन ही वास्तविक सत्य है। इसलिए यदि जीवन को सुंदर और सार्थक बनाना है, तो परिवर्तन से डरना नहीं, बल्कि उसे गले लगाना सीखना होगा।

क्योंकि अंततः जीवन का सबसे गहरा सत्य यही है—

परिवर्तन ही जीवन है, और बदलाव ही विकास।

''परिवर्तन से मत डरिए, क्योंकि वही आपको आपके बेहतर रूप तक पहुँचाता है।'' **- सीमा कुमावत (मारवाल)**

बाल विवाह : बच्चों का बचपन छीनना है

भारत में वैदिक काल से लेकर इस्लामिक प्रभाव से पूर्व तक बाल विवाह की कोई परम्परा नहीं रही है। 25 वर्ष तक ब्रह्मचर्य आश्रम में रहना हमारी संस्कृति का अंग रहा था। युवक-युवतियों का विवाह तब ही होता था जब वे इसके लायक हो जाये तथा गृहस्थ आश्रम की जिम्मेदारी का निर्वहन करने में सक्षम हो जाते थे। ऐसे उदाहरण वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और अनेक ग्रन्थों में भी उपलब्ध है।

जब से भारत में इस्लाम का आगमन हुआ तब सामाजिक असुरक्षा की भावना आयी। इस कारण बाल विवाह और दिन के बजाए रात में विवाह करने का प्रचलन प्रारम्भ हो गया, जो लम्बे समय तक रहा। इसे लोगों ने परम्परा मान लिया तथा उसका लगातार अनुसरण किया जाता रहा जो कमोबेश जारी है और अब भी प्रशासन और पुलिस को गांवों में इसे रुकवाने के प्रयास करने के समाचार आते रहते हैं। 21वीं सदी में जहां अंतरिक्ष में हम परचम गाड़ रहे हैं, AI का युग प्रारम्भ हो गया, हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गये वहां हम ये सब देखकर हैरान हैं।

जो उम्र यह तय करने की होती है कि वह बड़ी होकर क्या बनेगी, उस उम्र में शादी का जोड़ा और हाथों में लाल चूड़ियां, वर्तमान समाज पर एक तमाचा है। गुड्डे-गुड्डियां की शादी करना न केवल उनका बचपन छीनना है बल्की उन पर जिम्मेदारी डालकर अवसाद में डालकर उनका भविष्य बिगाड़ना है।

15-19 उम्र में लगभग 7% लड़कियां गर्भवती होकर मां बन जाती हैं, क्या वह इस जिम्मेदारी उठाने के लायक होती हैं? कम उम्र में माँ बनना, जटिलताएँ पैदा करता है व जान लेवा हो सकता है। बच्चे का कम वजन एवं कुपोषित होना सम्भव है।

बाल विवाह शिक्षा, स्वास्थ्य तथा आगामी पीढ़ी पर गहरा नकारात्मक असर डालने वाला होता है। यह जिम्मेदारी से मुक्ति नहीं बल्की आर्थिक एवं स्वास्थ्य संकट का आमंत्रण है।

वर्ष 2005-06 में 47.4% बाल विवाह होते थे यह आंकड़ा गिरकर 23.3% पर आ गया है। यह भी चिंताजनक है।

यद्यपि सरकारों ने भी प्रयास किये और कानून भी बनाए पर वास्तविक सफलता तब मिली जब बाल विवाह पर गांव-गांव में प्रशासन पहुंचा और जनजागृति आयी, इसमें बालिका वधु जैसे टीवी सीरियल ने भी अहम् भूमिका अदा की।

ऐसा नहीं कि बाल विवाह से केवल बालिकाएं ही चुल्हे-चौके में झोंप दी जाती हैं बल्की गृहस्थि की जिम्मेदारी आ जाने पर लड़कों को भी धन अर्जन पर जल्दी ध्यान देना होता है। इससे वे आगे पढ़ नहीं पाते, इसका उन्हें जीवनभर मलाल रहता है। यदि लड़का फिर भी पढ़ लिखकर किसी तरह बड़ा अफसर बन जाता है तथा बाल विवाह वाली पत्नी कम पढ़ी होने व बाहरी दुनिया की समझ ज्यादा नहीं होने के कारण मिसमेच मानकर शर्मवश उसे साथ नहीं रखता और इसका दंश उसकी पत्नी को जीवन पर्यन्त झेलना पड़ता है।

अतः इस युग में बाल विवाह नहीं हो इसका ध्यान हम सभी को रखकर किसी का बचपन बचाने का सार्थक प्रयास करना चाहिए। आगामी पीढ़ी का बचपन बचेगा तो ही वह शिक्षित, स्वस्थ एवं समझदार बनेगी तथा परिवार, समाज एवं राष्ट्र की धरोहर होगी।

- आर.सी. कुमावत

सिया राम मय सब जग जानी,
करहु प्रनाम जोरि जुग पानी॥

अर्थ : पूरे संसार में राम का निवास है, सब में भगवान राम हैं और हम उन्हें हाथ जोड़कर प्रणाम करते हैं। राम ईश्वर के रूप में सबके हृदय में है।

पृथ्वी दिवस: हमारी धरती, हमारा भविष्य

22 अप्रैल को पूरी दुनिया में 'पृथ्वी दिवस' (Earth Day) मनाया जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जिस नीले ग्रह पर हम रहते हैं, वह न केवल हमारा घर है, बल्कि हमारे अस्तित्व का एकमात्र आधार भी है। आधुनिकता की अंधी दौड़ और संसाधनों के अत्यधिक दोहन ने आज पृथ्वी के स्वास्थ्य को संकट में डाल दिया है। ऐसे में पृथ्वी दिवस महज एक औपचारिकता नहीं, बल्कि आत्म-मंथन और सुधार का दिन है।

पृथ्वी दिवस की शुरुआत 1970 में हुई थी। अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने पर्यावरण शिक्षा के रूप में इसकी नींव रखी थी। आज यह दुनिया के लगभग 190 से अधिक देशों में मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को प्रदूषण, वनों की कटाई और ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर समस्याओं के प्रति जागरूक करना है।

आज हमारी पृथ्वी एक नाजुक मोड़ पर खड़ी है। मानवीय गतिविधियों के कारण पर्यावरण का संतुलन बिगड़ चुका है:

ग्लोबल वार्मिंग: कार्बन डाइऑक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन से पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिक समीकरणों के अनुसार, यदि CO_2 का स्तर इसी तरह बढ़ता रहा, तो समुद्री जलस्तर में वृद्धि और विनाशकारी मौसम की घटनाएं आम हो जाएंगी।

प्लास्टिक का अंबार: महासागरों से लेकर पर्वतों की चोटियों तक प्लास्टिक कचरा पहुँच चुका है, जो पारिस्थितिकी तंत्र को जहरीला बना रहा है।

संसाधनों का दोहन: हम प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग उस गति से कर रहे हैं जिससे प्रकृति उन्हें पुनर्जीवित नहीं कर सकती।

हम क्या कर सकते हैं ? : पृथ्वी को बचाने के लिए किसी बड़े चमत्कार की नहीं, बल्कि हमारी छोटी-छोटी आदतों में बदलाव की जरूरत है। हमारा शरीर भी पंचतत्वों (मिट्टी, जल, वायु, अग्नि और आकाश) से बना है जिससे यह प्रकृति बनी है। हमारे सांसों में वही वायु है जो बाहर होती है। वही जल है जो बाहर है, जिससे रक्त और द्रव बनता है। वहीं मिट्टी के रूप में भीतर आती है। जरा सोचिये हम वातावरण को दूषित करेंगे तो मानव जीवन कैसे बचेगा ? यहाँ कुछ प्रभावी कदम दिए गए हैं:

पेड़ लगाएँ: पेड़ न केवल ऑक्सीजन देते हैं, बल्कि वातावरण को ठंडा रखने में भी मदद करते हैं। अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना ही उपाय है।

3Rs का पालन: 'Reduce' (कम करें), 'Reuse' (पुन: उपयोग करें) और 'Recycle' (पुनर्चक्रण) को अपने जीवन का हिस्सा बनाएँ।

जल संरक्षण: हमारी पृथ्वी पर पीने योग्य जल सीमित है। पानी की हर बूंद कीमती है। वर्षा जल संचयन (Rainwater harvesting) अपनाएं और वाटर मैनेजमेंट कर पानी की बर्बादी रोकें।

ऊर्जा की बचत: अनावश्यक बिजली का उपयोग न करें और सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों को बढ़ावा दें।

युद्ध में बारूद का प्रयोग रोके : हम देख रहे हैं अनेक देश युद्ध में जूझ रहे हैं तथा भारी विस्फोटकों एवं घातक हथियारों का प्रयोग हो रहा है। इससे पृथ्वी का वातावरण अत्यधिक दूषित हो रहा है तथा तेजाबी वर्षा का खतरा बढ़ रहा है। तापमान बढ़ने से बर्फ के ग्लेसियर पिघल रहे हैं, ये घातक रूप ले सकते हैं तथा जलवायु परिवर्तन तो हम देख रहे हैं।

निष्कर्ष पृथ्वी के बिना जीवन की कल्पना असंभव है। यदि हम चाहते हैं कि हमारी आने वाली पीढ़ियाँ एक स्वस्थ और सुंदर वातावरण में सांस लें, तो हमें आज ही जागना होगा। पृथ्वी दिवस हमें संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर जिएंगे, न कि उसका विनाश करके। **याद रखें, ''प्रकृति के पास हमारी जरूरतों के लिए पर्याप्त है, लेकिन हमारे लालच के लिए नहीं।''** महात्मा गांधी ने भी कहा था ''धरती सभी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है, लेकिन किसी के लालच को नहीं।''

प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर रहना ही सच्ची प्रगति है। आइए, इस पृथ्वी दिवस पर हम संकल्प लें कि हम न केवल प्रदूषण कम करेंगे, बल्कि अपनी धरती को फिर से हरा-भरा बनाने के लिए अपना योगदान देंगे। साथ ही हम अपने जीने के तरीकों को बदलेंगे। उसका दोहन सीमित करें।

पृथ्वी दिवस पर विशेष नारे (Slogans)

''पृथ्वी बचाओ, जीवन बचाओ, इस जग को खुशहाल बनाओ।''

''जब हरी-भरी होगी धरती, तब सुरक्षित होगी जिंदगी।''

''आने वाली पीढ़ी है प्यारी, तो पृथ्वी बचाना है हमारी जिम्मेदारी।''

''पेड़ लगाओ, देश बचाओ, धरती को स्वर्ग बनाओ।''

''धरती का न करें विनाश, वरना होगा सबका नाश।''

ध्यान रहे ये नारे मात्र पृथ्वी दिवस मनाने के लिए ही नहीं है, इसमें निहित संदेश दिन-प्रतिदिन ध्यान रखने योग्य है।

राम-रावण युद्ध के निहितार्थ

वस्तुत: सभी दृष्टियों से मर्यादा पुरुषोत्तम बलनिधि श्रीराम का चरित्र व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्र और मानव-जाति का एक सम्पूर्ण जीवन दर्शन है। उनके अनुयायी भी नीति को स्पष्ट आचरण के स्तर पर लाकर, कथनी और करनी का भेद समाप्त कर, एक लक्ष्य और एक मन होकर, एक व्रत लेकर तथा अनुशासन में रहकर उनके कार्यों को यथासमय बल प्रदान करते रहे हैं।

भगवान राम और राक्षस रावण का संघर्ष आध्यात्मिक अर्थ में न्याय और अन्याय, धर्म और अधर्म, प्रकाश और अंधकार, विनय और अहं एवं मानवता और दानवता का संघर्ष है। रावण क्या है ? अन्याय के साथ जिसका मस्तक दसों दिशाओं में फैला है और जो किसी भी काल के अत्याचारी शासक से अधिक शक्ति-सम्पन्न है, वरदानों के बल से जिसकी दुष्टता और समाज-विरोधिता घटने के स्थान पर और भी बढ़ चुकी है, जिसके अपने वरदान दूसरों को अभिशाप सिद्ध हुए हैं, जिसने राज सत्ता का उपयोग अपने अधिकारों को अमिट बनाने, दुर्बल के दमन अथवा समाज की मर्यादा को भंग करने के लिए ही किया है, जिसने दूसरों के कर्तव्य को अपना अधिकार, दूसरों की उदारता को अपना गुण एवं दूसरों की क्षमा को अपना बल एवं सामर्थ्य स्वीकार किया है, संसारभर के स्वर्ण को लूट कर जिसने अपनी लंका में भर लिया है, काम-वासना की पूर्ति के लिए जिसने विश्व की कमनीय कुमारियों को काबू में कर लिया है, जिसका अहंकारपूर्ण अधिकार क्रोध का, कंचन की नगरी में निवास लोभ का एवं कामिनी-संग्रह का द्योतक है, काम, क्रोध और लोभ की त्रिवेणी में नित्य निमज्जन करने वाला, दुष्ट दस इन्द्रियों से संयुक्त दर्पोदग्र मन और मोह का मूर्तिमान प्रतीक, दस इन्द्रियों विषय-सुखों में ही रमा हुआ, दसों दिशाओं में भौतिकवाद का प्रबल प्रचारक, पाप परायण, अपने पाण्डित्य और पुरुषार्थ परिपूर्ण वह दशवदन रावण, एक मुँह, एक मन, एक दिशा वाले संयम प्रधान संस्कृति के प्रतिनिधि दशरथ पुत्र श्रीराम के द्वारा अपने सम्पूर्ण दर्प और अन्याय-पुष्ट शक्ति के साथ समाप्त कर दिया जाता है। अन्याय और अधर्म की शक्ति कभी शाश्वत, अटल और अजेय नहीं होती। अहंबल एक अधिकार है और विनय बल एक कर्त्तव्य। अधिकार कभी भी कर्तव्य का विजेता या स्वामी नहीं बन सकता, वह तो कर्त्तव्य का दास होता है।

श्रीरामचरितमानस में भगवान् राम को 'धर्महेतुअवतरेउगोसाई' कहकर धर्मावतार के रूप में प्रस्तुत किया गया है। 'जब-जब होइ धर्म कैहानी' अथवा 'धर्मसंस्थापनार्थाय संभवामियुगेयुगे' में भी धर्म की स्थापना या धर्म संरक्षण की घोषणा की गई है। 'अहिंसा परमोधर्म' अहिंसा परम धर्म है, किन्तु भगवान् राम ने हिंसा के द्वारा धर्म का संरक्षण किया, इसमें कतिपय महानुभावों को बलनिधि राम के औचित्य का दर्शन नहीं होता। विप्रवंशीय रावण का वध भी 'विप्र धेनु सुर संत हित लीन्ह मनुज अवतार' वाली घोषणा में समुचित तालमेल नहीं करता ? यदि भगवान राम हिंसा का प्रयोग न करते, अन्य किसी उपाय से रावण आदि आततायियों के दुर्गुण-दुराचारों का शमन करते तो इससे अहिंसा धर्म पर भी आंच जाती ? इसी तरह के तर्क-कुतर्कपूर्ण आक्षेप उन्हीं के द्वारा किए जाते हैं जो भगवान राम द्वारा अपनाई गई अहिंसा की वास्तविक परिभाषा एवं धर्म के यथार्थ मर्म से परिचित नहीं है।

राक्षसराज रावण ने भगवान राम की न केवल पत्नी का अपहरण किया था अपितु सीता के अपहरण के साथ-साथ उनकी शक्ति और कीर्ति का भी अपहरण हो गया था। यश और पत्नी का अपहरण करने वाले शक्ति मदान्ध दुराग्रही आततायी का हृदय भूख हड़ताल और सत्याग्रहों के माध्यम से नहीं बदला जा सकता। शक्ति अहिंसा में नहीं है, अन्याय या हिंसा के प्रतिकार में है। अहिंसा परम धर्म है किन्तु अन्याय का प्रतिकार उससे भी बड़ा धर्म है। यदि दोनों धर्मों में विरोध आ जाए तो अहिंसा को छोड़कर अन्याय का प्रतिकार करना होगा। अहिंसा वहीं तक धर्म है, जहाँ तक उससे अन्यायी और अत्याचारी को प्रोत्साहन नहीं मिलता। जहाँ अपनी कायरता छिपाने अथवा दुराचार एवं पाप के प्रति उठने वाली स्वाभाविक आक्रोश की भावना को कुण्ठित करने के लिए अहिंसा का राग अलापा जाता है, वहाँ अहिंसा धर्म नहीं रहती है। दुराचार, अनाचार, अन्याय और अधर्म के प्रतिकार की भावना मानव समाज की अमूल्य निधि है, परम निधि है और बल निधि है। इस भावना से रहित व्यक्ति-व्यक्ति नहीं है, समाज-समाज नहीं है, जाति-जाति नहीं है, राष्ट्र राष्ट्र नहीं है। इसीलिए मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने उसके हृदय-परिवर्तन पर शाश्वतिक विश्वास न कर रावण के वध को ही उचित समझा। यद्यपि प्रभु श्रीराम ने युद्ध का निर्णय करने के पहले दो बार दूत भेजकर अपने विवेक को ही प्राथमिकता दी थी तथापि उसका सुधार विवेक के प्रयोग से असम्भव जान बल के प्रयोग से सम्भव किया।

राक्षस सामाजिक जीवन की जड़ता एवं विकार के प्रतिनिधि हैं, कोई भी दुष्कर्म उनकी क्रियाशीलता की परिधि के बाहर नहीं जाता-

''पर द्रोही पर दार रत पर धन पर अपवाद।
ते नर पाँवर पापमय देह धरे मनुजाद।।'' (7/39)

रावण की लंका इन्द्रिय सुख-प्रधान सभ्यता का प्रतिनिधित्व करती है, जहाँ का सम्पूर्ण समाज अपने नेता द्वारा अपनाए गए भ्रामक और विनाशकारी मार्ग पर चल पड़ा था। इसके विपरीत श्रीराम की अयोध्या भौतिक दृष्टि से पूर्ण सम्पन्न होते हुए भी उस आदर्श सभ्यता का प्रतीक है, जहाँ पर भौतिक विकास और बौद्धिक शक्ति को नैतिकता प्रदान करते हुए उसे स्वभाव की पवित्रता क्रिया की कोमल आदर्शवादिता के अधीन कर दिया गया था, जहाँ के असाम्प्रदायिक किन्तु धर्म-सापेक्ष समाज में उच्चस्तरीय जीवन की पावन धारा सदैव प्रवाहित रहती थी और जहाँ जीवन में सर्वत्र मानवीय मूल्यों की चरम प्रतिष्ठा के कारण सुखी, सम्पन्न, समृद्ध और संतुष्ट नागरिक निवास करते थे।

बलनिधि श्रीराम परम पराक्रमी हैं किन्तु उनके बल पराक्रम का सौन्दर्य उनकी निरभिमानता एवं विनयशीलता में सन्निहित रहता है। यही कारण है कि संसार की शौर्यगाथाओं में भगवान् राम के शौर्य की कथा विलक्षण है जो केवल युद्ध कौशल तक सीमित न रहकर सम्पूर्ण मानव चरित्र के विकास तक विस्तृत है। राम शत्रु-विजय-अभियान सैन्यबल का ही नहीं, चरित्रबल के विकास का अभियान है। श्रीराम अपने शौर्यबल

एवं पराक्रम पर गर्व नहीं करते और उसका कहीं बखान भी नहीं करते।

श्रीराम की शक्ति का विवेचन भौतिक नहीं, आध्यात्मिक आधारों पर ही आघृत है। शक्ति का वास्तविक केन्द्र आत्मा है, शरीर नहीं। उनके व्यक्तित्व में शक्ति का यही आदर्श मूर्तिमान हुआ है। भुजबल और शस्त्रबल उनके लिए नगण्य है- ये दोनों ही उनके आत्मबल पर आश्रित हैं। इसी आत्मबल का पर्याय है- 'सत्य'। जिस प्रकार शील की धुरी है- 'करुणा' उसी प्रकार उनकी शक्ति की धुरी है 'सत्य'। 'रामोद्विनाविभाषते' (राम दो बचन नहीं बोलते) में उनका संकल्प सत्य बनकर ही बोलता है। इससे उनकी चतुर्विध और चतुर्दिक वीरता परिचालित होती है। उनकी अभिव्यक्ति जिन गुणों के रूप में होती है, वे ही शक्ति के विधायक होते हैं। ये गुण हैं- निर्भीकता, दृढ़ता, स्थिरता, धैर्य, आत्मविश्वास, गाम्भीर्य आदि। मानस में जितने भी प्रसंग वीरता तथा उत्साह के आये हैं, वहाँ इन्हीं गुणों के चमत्कार के दर्शन होते हैं जैसे कौशिक की यज्ञ-रक्षा, धनुष यज्ञ, विराध-कबन्ध-बालि वध, चौदह हजार राक्षसों सहित खर-दूषण-त्रिशिरा वध, समुद्र निग्रह, रावण के मुकुटों व मन्दोदरी के ताटंकों का हरण तथा लंका का समराङ्गण। भगवान् राम कोई शस्त्रागार लेकर तो वन को नहीं गए थे। वे तो बलनिधि हैं, बिना शस्त्रास्त्र के ही अपनी सहज शक्ति से वीर्यवान-ऐश्वर्यवान और बलवान थे। काँधे पर धनुष, कमर में तरकस और तरकस में कुछ बाण- बस यही तो था उनका शस्त्रागार। राम का बाण अमोघता का प्रतीक बन गया है। वही उनकी सूक्ष्म एवं अगोचर शक्ति का परिचायक बन गया है। इसी कारण वे शस्त्रधारियों में श्रेष्ठ हैं-

'रामः शस्त्रभृतामहम्' (श्रीमद्भागवद्गीता 10/31)

गोस्वामीजी भगवान् राम और राक्षसराज रावण के युद्ध को भिन्न दृष्टिकोण से प्रतिपादित करते हैं। उनके अनुसार रावण एक व्यक्ति ही नहीं, एक विशेष प्रकार की विचारधारा का संवाहक है। अर्थात् रावण नामधारी व्यक्ति न होकर उस रावणत्व का प्रतीक है जो लोकपीड़न में आनन्दित होता है। भगवान् राम का संघर्ष रावणत्व से है। व्यक्ति के विरुद्ध व्यक्ति का संघर्ष अर्थहीन है। यदि दोनों एक जैसे हों ? गैंग्रीन जैसे कुछ विषाक्त रोगों में उस अंग को भी शरीर की रक्षा के लिए काटकर फेंक देना पड़ता है, जिससे यह दुष्ट व्रण ठीक हो जाए। ठीक उसी प्रकार समस्त विश्व की सुरक्षा के लिए एक व्यक्ति का वध भी आवश्यक हो सकता है। अंगोच्छेद के समय भी चिकित्सक का संघर्ष अंग के विरुद्ध न होकर रोग के विरुद्ध ही होता है। ठीक ऐसी ही दृष्टि राम-रावण संघर्ष में है। रावण को मारने की तुलसी के राम में कोई उत्सुकता दिखाई नहीं देती। यदि रावण अपने दुर्विचारों और दुराचारों को छोड़ देता तो वे युद्ध समाप्त करके ही अधिक प्रसत्र होते। हनुमान और अङ्गद श्रीराम के इसी उदार सन्देश को रावण तक पहुंचाते हैं, परन्तु रावण इसे राम की दुर्बलता का संकेत मानता है। श्रीराम का अवतरण और उनका बल लोक-मंगल के लिए हैं। वे निर्बलों का पक्ष लेते हैं और अत्याचारियों के विनाश के लिए ही उन्होंने धनुष धारण किया है।

धारणा आध्यात्मिक कम यह है कि शक्ति शक्तिमान की होती है। अतएव हमें उसकी इच्छा के अनुकूल उसका सदुपयोग करना चाहिए। आसुरी शक्ति का बल विनाश का ही साधन प्रस्तुत करता है और दैवी शक्ति का बल सृष्टि के विकास में सहायक होता है। **-प्रो. बी. के. कुमावत,** सेवानिवृत्त प्राचार्य

देश की उम्मीदें पूरी... तीसरी बार जीत ली... **पृष्ठ 18 से आगे**

- **सर्वाधिक छक्के :** इस मैच में भारत ने कुल 18 छक्के लगाए, जो किसी भी टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में टीम द्वारा लगाए गए अब तक के सर्वाधिक हैं।
- **सबसे बड़ा निजी स्कोर :** संजू सैमसन के 89 रन टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में स्ववोंच्च निजी स्कोर है।
- **पावरप्ले का रिकॉर्डः** शर्मा-संजू ने 6 ओवरों में 92/0 रन जोड़े। टी20 वर्ल्ड कप का रिकॉर्ड पावरप्ले स्कोर।
- **सबसे सफल टॉप-3:** पहली बार किसी टीम के टॉप-3 बेटर्स के नॉकआउट में 50 स्कोर। संजू (89), शर्मा (52), इशान (54)
- **वर्ल्ड कप में सर्वाधिक छक्के :** भारत ने इस ट्नमिंट में 106 छक्के लगाए। ऐसी करने वाली पहली टीम। 2023 में अफ्रीका के बनडे में 99 थे।
- **सबसे बड़ी जीतः** भारत 96 रन से जीता, टी20 वर्ल्ड कप में हमारी बड़ी जीत। नामीविया 93 रन से हारी थी।

सूर्या की कप्तानी का कमाल... सटीक रणनीति और शांत रहकर सही फैसले लिए

टीम इंडिया की टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की इस सबसे बड़ी उपलब्धि में बहुत अहम भूमिका रही...

1. सटीक मैच-अप्सः विपक्षी स्पिनर्स को काउंटर करने के लिए बैटिंग ऑर्डर में बदलाव किए। सेमीफाइनल में दुबे को चौथे पर बल्लेबाजी के लिए भेजा, फाइनल में हार्दिक को।

2. गेंदबाजों का रोटेशनः बुमराह का मिडिल ओवर्स और डेथ ओवर्स में ब्रह्मास्त्र की तरह शानदार इस्तेमाल किया। बुमराह को ऐसे मौकों पर लाए, जब दबाव बनाना था।

3. शांत कप्तानीः अपने निर्णयों पर कभी पैनिक नहीं किया, जिससे युवा खिलाड़ियों ने निडर होकर नैचुरल गेम खेला।

महाविजय के 4 हीरो अभिषेक की सबसे तेज फिफ्टी, संजू के लगातार तीसरे 80+ रन

- **सैमसनः** प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे। 5 मैचों में 321 रन बनाकर टूर्नामेंट के शीर्ष-3 बेटर्स में। स्ट्राइक रेट 199.37 रहा। 9 मैचों में 4 में बाहर बैठे रहे थे।
- **अभिषेक शर्माः** फाइनल में वापसी करते हुए 21 गेंदों में 52 रन बनाए। शुरुआती 4 मैचों में से 3 में शुन्य पर आउट हुए थे। एक मैच खेले नहीं।
- **इशानः** 9 मैचों में 317 रन बनाकर चौथे सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे। फाइनल में तीन शानदार कैच पकड़े और 25 गेंदों में 54 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली।
- **बुमराहः प्लेयर ऑफ द मैच रहे।** फाइनल में 4 ओवर में महज 15 रन देकर 4 विकेट लिए। टूनामेंट में कुल 14 विकेट, जो वरुण के साथ टॉप है।

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅंडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, ढोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत
वि/153 डॉ. अनूप कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/154 श्री महेश जोहरी, लालकोठी, जयपुर
वि/155 श्री सोभाग्य चंद्र कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/156 डॉ. डी.एम. कुमावत, उज्जैन

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

16 फरवरी श्री राज कुमावत (बालोदिया) पुत्र श्री जितेन्द्र कुमावत, किसान मार्ग, बरकत नगर, जयपुर
16 फरवरी श्री महेन्द्र बैरा, झोटवाड़ा, जयपुर
17 फरवरी श्री राजेन्द्र कुमावत पुत्र श्री गोरी शंकर, बहरा की ढाणी, बोराज
18 फरवरी श्री छोटी लाल होदकास्या, भगतवाटिका, जयपुर
18 फरवरी श्रीमती सावित्री देवी किरोड़ीवाल, बोरोवली, मुम्बई
18 फरवरी श्रीमती लक्ष्मी देवी कुण्डलवाल, पटेल नगर, सांगानेर
20 फरवरी श्री देवीलाल बातरा, उदयपुर
21 फरवरी श्री मनीष छापोल, छापोलो की ढाणी, सांगानेर
22 फरवरी श्री मोहनलाल दौराया, बूंदी रोड, चित्तौड़गढ़
22 फरवरी श्री रामसिंह पुत्र स्व. श्री फूलचंद, मनोहरपुर
23 फरवरी श्री जयसिंह जालवाल (आर्किटेक्ट) बापूनगर, जयपुर
24 फरवरी श्रीमती तारादेवी (लालीबाई) बातरा, देवाली, उदयपुर
24 फरवरी श्रीमती रामप्यारी देवी पत्नी स्व. श्री गोरधन लाल खाटूवाल, मीणावाला, जयपुर
26 फरवरी श्री मोहरीलाल नेमीवाल पुत्र श्री रामेश्वर लाल वेद का चौराहा, जयपुर
27 फरवरी श्री मुरारी लाल जलेन्द्रा, गोविन्दपुरा, जयपुर
28 फरवरी श्रीमती बरजी देवी पत्नी स्व. श्री गिरधारीलाल दम्बीवाल ठेकेदार (इन्दौर वाले) तिगरिया, जयपुर
28 फरवरी श्रीमती पूर्णिमा (बबली) पत्नी श्री रमेश ब्याड़वाल मानसिंहपुरा, जयपुर
3 मार्च श्री श्रीकिशन भरोदिया, भोम्याजी की ढाणी, दांता
4 मार्च श्रीमती सारा देवी पत्नी स्व. श्री जटाशंकर मारवाल, शास्त्री नगर, जयपुर
4 मार्च श्री समरथमल मारोठिया, कुमावत, कॉलोनी, ब्यावर
5 मार्च श्री रामकिशोर धुंधारिया,आनन्दपुरी, आदर्शनगर, जयपुर
6 मार्च श्रीमती सावित्री देवी राहोरिया, मानसिंहपुरा, टोंक रोड, जयपुर
6 मार्च श्रीमती पुष्पादेवी, देवतवाल, दयानगर, ब्यावर
6 मार्च श्रीमती मुन्नी देवी सारड़ीवाल, हाउसिंग बोर्ड, ब्यावर
7 मार्च श्री प्रहलाद सहाय कुमावत, बारावालो की ढाणी, चौमूं
7 मार्च श्री भंवरलाल सिरसवा, गोविन्दगढ़
8 मार्च श्री बजरंग लाल मालिया, गुर्जर की थड़ी, जयपुर
9 मार्च श्रीमती रतन देवी भदानिया, सिवाड़ एरिया, जयपुर
9 मार्च श्रीमती धापू देवी निराणिया, दुर्गा कॉलोनी, सीकर
10 मार्च श्री मुकेश कुमावत (मेहरावंडिया) निवाई,टोंक
10 मार्च श्रीमती सम्पत्ति देवी होदकास्या, विधानसभा नगर, मानसरोवर, जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
शिवनारायण	M.Sc., B.Ed.	Indian Railway	13.1.97	5'6''	सिरस्वा	मारोठिया	मारवाल	जेठीवाल	9828815331	पलसाना
भारत	B.Tech (CS) MNIT	Soft. Eng.	3.3.2000	5'11''	भोड़ीवाल	कारगवाल	किरोड़ीवाल	मनेठिया	9887876723	जयपुर
मोहित	B.Tech. (Civil)	JEN, Nagar Nigam, Jaipur	16.7.99	6'3''	भोडिया	सिरस्वा	नेहरा	घोड़ेला	9829166280	जयपुर
अक्षय	B.Tech., (CS)	Ricutemant in Indina Army	15.11.99	6'0''	ब्याड़वाल	नरेडा	मारोठिया	बालोदिया	7066016371	जयपुर
मनन	IIT, M.Tech.	Soft. Eng.	15.7.99	5'11''	जेठीवाल	देवतवाल	बड़ीवाल	काम्या	9461451497	जयपुर
डॉ. दर्शन	MBBS, MS(AIIMS)	-	14.1.97	5'7''	जालवाल	आशीवाल	खोवाल	भातरा	9772201301	जयपुर
डॉ. जितेन्द्र	MBBS.	-	24.9.95	5'5''	माचीवाल	ब्याडवाल	कुकडवाल	मारवाल	9057508594	जयपुर
पुनीत	M.A.	Pvt. Teacher	19.4.92	5'7''	बैरा	बसवाल	मारवाल	खरगटा	9828068755	जयपुर
रमेश(तलाकशुदा)	M.Com.	A.C. Maintin. Shop	10.10.94	5'10''	धुंधारिया	राजोरिया	देवतवाल	आईथान	9928366912	जयपुर
विजय	B.Sc.	Business (Self)	16.8.2001	-	देवतवाल	राहोरिया	मारवाल	घोड़ेला	9799134481	जयपुर
रवि	-	Cyber Security Analyst	23.3.99	5'8'	मारवाल	नेमीवाल	कन्डेरिया	काम्या	8003519205	जयपुर
हेमसिंह	B.A.	Pvt. Ltd.	26.6.90	5'9'	लोडवाल	नोखवाल	साड़ीवाल	दिलीवाल	8700402685	दिल्ली
मनीष	B.Tech. (Mach)	Engi.Pune	23.3.97	6'2''	सारड़ीवाल	मावर	घोड़ेला	सकवाया	9828186402	जयपुर
युधिष्ठर	ITI (Electrical)	Own shop	10.2.92	5'9''	उडीवाल	रेडवाल	गोठवाल	मनीया	9772075179	उदयपुर
भीमराज	M.Com., B.Ed.	Emitra & Library	15.2.95	5'7''	आईथान	बेडवाल	पिपलौदा	मारोठिया	8657994418	लालसर
राकेश	B.Sc.,B.Ed.	Roadway चयनित	1.6.97	5'5''	आईथान	बेडवाल	पिपलौदा	मारोठिया	8657994418	लालसर
महेश	B.A., ITI	खाद बीज दुकान बोराज	6.3.97	5'4''	नेमीवाल	बड़ीवाल	दम्बीवाल	खोरानिया	9829160270	बोराज

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
अन्नू	12th	--	28.12.96	--	होदकास्या	शिशीवाल	मारवाल	मावर	9983778063	किशनगढ़
सुनीता	GNM	Nursing Officer	15.3.93	5'4''	माचीवाल	आशीवाल	मारोठिया	बेडवाल	7850800348	सीकर
मुस्कान	MBA (IIM)	Manager Hyundai motor	12.8.99	5'3''	नागा	आशीवाल	दोराया	नरानिया	9460000662	जयपुर
निकिता	B.Sc. (Nursing)	Pre Paring Exa.	26.4.2002	5'3''	घोड़ेला	रावोरिया	देहीवाल	घटेलवाल	9828421658	सीकर
हर्षा	M.A.	-- do --	15.7.99	5'2''	बसवाल	जालमिया	कारगवाल	देवतवाल	9799981123	आबूरोड
हिमानी	M.A., B.Ed.	-- do --	13.8.96	5'2''	बसवाल	जालमिया	कारगवाल	देवतवाल	9799981123	आबूरोड
लक्ष्ता	B. Tech (Civil)	Assti. Engi. (Govt.)	13.9.95	5'6''	खाटूवाल	घोड़ेला	भोरोदिया	कैक्ट्या	9468587369	जयपुर
डॉ. तन्वी	BPT. MPT	Physio Clinic Founder	18.8.99	5'10''	छापोला	पिपलोदा	सिरस्वा	कुदाल	9660500121	जयपुर
किरन	B.E. M.Tech.	Benz Researcher & Dev.	16.3.94	5'5''	सैगर	–	–	–	9313723675	गुजरात
परिधि	M.Com.	Preparation Govt job	20.12.2000	5'2''	भडवाल	जलान्दरा	घोडेला	मान्डलीया	9829140344	जयपुर
रितिका	B.Sc. (Bio.)	SSC Exam. Prepa.	5.12.99	5'7''	दोराया	सिरस्वा	मारवाल	खोवाल	9829522530	जयपुर
धनेश्वरी	M.A., B.Ed.	--	24.5.89	--	मावर	घोड़ेला	पारमवाल	रेनीवाल	9649825484	पुष्कर
वापिका	MCA	Pvt. Job.	28.6.92	5'0''	मारवाल	जलान्दरा	जेठीवाल	बोडिया	9351708090	जयपुर
दिव्या	B. Tech (CS)	Pvt. Job.	29.6.91	5'3''	भौरोदिया	छाबल्या	खूंखवाल	खटवाल	8947992776	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम ''कुमावत इंडिया पत्रिका''

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिले तो क्या करें

'कुमावत इंडिया' पत्रिका प्रति माह 25 तारीख तक सदस्यों को डाक से भेजी जाती है। यदि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका माह के अंत तक आपको नहीं मिले तो कृपया अपने क्षेत्र के पोस्टमैन अथवा पोस्ट मास्टर से इसकी शिकायत करें तथा हमें सूचित करें जिससे आपको सम्बन्धित अंक की प्रति पुन: भेजी जा सके। यदि शिकायत पर कोई कार्यवाही न हो तो कृपया इसकी सूचना 'कुमावत इंडिया' पत्रिका कार्यालय को दें या व्हाट्सएप नं. 9414554322 पर अपना नाम, पता मय पिनकोड लिखकर मैसेज करें। जिससे पत्रिका स्तर से भी सम्बन्धित पोस्ट ऑफिस को शिकायत भेजी जा सके।

सूचना

आदरणीय समाजजनों से निवेदन है कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशन हेतु सामाजिक गतिविधियों के समाचार, समाज प्रतिभाओं का विवरण व लेख आदि की जानकारी पत्रिका कार्यालय या व्हाट्सएप नं. 9414554322 या e-mailÑkumawatindiapatrika@gmail.com पर भिजवाने का कष्ट करें। सम्पादक मण्डल इन पर विचार करके इन्हें प्रकाशित कराने की कार्यवाही करेगा। आपसे निवेदन है कि प्रकाशनार्थ सामग्री मूल हो तथा पूर्व में कहीं प्रकाशित नहीं हुई हो।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सदस्यता समाप्ति सूचना

सदस्यता संख्या 5/1 से 5/69 तक के पांच वर्षीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया,मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
13. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
14. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
15. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

ताइवान में शिव का दिव्य स्वरूप

इस विशाल मूर्ति को देखकर लोग तुरंत निष्कर्ष निकाल लेते हैं—''**यह बुद्ध की प्रतिमा है।**''

मगर इस बार जो सच सामने आता है, वह और भी रोचक है।

उत्तरी ताइवान के युआंडाओ क्षेत्र में स्थित एक भव्य गुआनिन मंदिर में मौजूद यह विशाल प्रतिमा देखने वालों को पहली ही नज़र में मंत्रमुग्ध कर देती है। भारत में मिलने वाले पारंपरिक स्वरूपों से अलग होने के कारण कई लोग इसे बुद्ध का रूप मान लेते हैं, जबकि यह करुणा और संरक्षक शक्ति का प्रतीक गुआनिन (Avalokiteshvara) का स्वरूप है—जो भारत के शिव के 'करुणामय' तत्त्व से निस्संदेह आध्यात्मिक समानता रखता है।

इसी अद्भुत साम्यता की वजह से लोग इसे शिव के एक अनूठे दिव्य स्वरूप से भी जोड़कर देखने लगे हैं।

अद्भुत बात यह है कि यह मूर्ति भारत में नहीं, बल्कि ताइवान की भूमि पर स्थित है—फिर भी इसे देखने वाले के मन में ''हर हर महादेव'' की गूँज खुद-ब-खुद उठ पड़ती है।

कहते हैं—आध्यात्मिकता सीमाओं में नहीं बंधती।

वैवाहिक

Dr. Vaibhav Kumawat

Height : 5'7"
Date of Birth : 28 May 1996
Education : MBBS, Doing MS (Orthopaedics)
Gotra : **Self-**Jayalwal **Mother-**Kirodiwal
Dadi- Kolugaria **Nani-** Ghodela
Grand Father : Sh. Shankar Lal Kumawat
Father : Sh. Kamal Kumawat
Astt. General Manager, BSNL
Mother : Smt. Lalita Kumawat
House Wife
Elder Brother : Nitesh Kumawat
Probationary Officer in Bank of Baroda
Younger Brother : Harshit Kumawat
Software Engineer in MNC
Contact Details : 9413395535 (Father)
9414631395 (Grand Father)

Residence: 69, Mahadev Nagar, Nandpuri, 22 Godam, Hawa Sadak Jaipur

यश कुमावत (नीमीवाल)

भारतीय सेना में (दिल्ली) लेफ्टिनेंट के पद पर कमीशन्ड़ होने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

दादा-दादी : स्व. श्री घासीराम नीमीवाल-स्व. श्रीमती लक्ष्मीदेवी
बड़े पापा-बड़ी मम्मी : सत्यनारायण-श्रीमती चन्द्रकान्ता
माता-पिता : दिनेश-श्रीमती चन्द्रकान्ता
चाचा-चाची : सुरेश-श्रीमती रितु
भाई - भाभी : सौरभ-श्रीमती प्रियंका
जीजाजी-बहिन : हितेश जी रोकना-सौम्या, शुभम जी-रश्मि

म.नं. 733, सुमेर नगर, कल्याणपुरा, मानसरोवर, जयपुर-302020 मो. : 9785168977

श्रीमती सरन देवी

धर्मपत्नी स्व. श्री आनन्दी लाल वर्मा (लखेसरा)

की तृतीय पुण्य तिथि 15 मार्च, 2026

पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

श्रद्धान्वत

बसंत-एन.पी. वर्मा से.नि. वरिष्ठ भूजल वैज्ञानिक (पुत्रवधु-पुत्र), विमला-प्रेमचंद जी (पुत्री-दामाद), शिवानी-मधुर (पौत्रवधु-पौत्र), ऋतु-सुरेश, कविता-नरेश, कुसुम-निशांत (पौत्री-पौत्री दामाद), निर्विता (पड़पौत्री) एवं लखेसरा (कुमावत) परिवार

एफ-24, 4th एवेन्यू, लालबहादुर नगर-प., जे एल एन मार्ग, जयपुर मो. : 9414238619, 9662038662

एवं

स्व. 16.2.2026 | स्व. 10.3.2026

स्व. श्रीमती सावित्री देवी श्री पुरुषोत्तम किरोड़ीवाल

निवासी बोरीवली (मुम्बई) जन्म स्थली दांता (जिला सीकर राज.)

को अश्रूपुरित श्रद्धांजलि

श्रद्धावनत

पुष्पा-हेमचन्द खड़गटा, स्व. मधू-सतीश खड़गटा

रेनू-योगेन्द्र खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर

स्व. 21.03.2009

17वीं पुण्यतिथि

21.03.2026

स्व. 02.11.2006

20वीं पुण्यतिथि

02.11.2026

स्व. श्री कन्हैयालाल जी स्व. श्रीमती जमना देवी

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :

पुत्र - पुत्रवधु : रामकुमार बिरथलिया - भौंरीदेवी (से.नि. मैने, पी.एन.बी.)

पौत्र - पौत्रवधु : पूनम - महेन्द्र कुमावत, सी.ए.सी.एस., आस्ट्रेलिया

नीलम (मोना) - दीपेन्द्र कुमावत, सी.ए. आस्ट्रेलिया

पौत्री - पौत्री दामाद : मंजू - इंजि., संजय गोयल (गोल्या)

पड़पौत्री : रूसवी, आहना,

पड़पौत्र : मेधिर, यूवल

निवास : बी-186, वैशाली नगर, जयपुर - 302021

21.09.1948 से 18.04.2014

(वैशाख कृष्णा चतुर्थी संवत 2071)

12वीं पुण्य तिथि 18 अप्रैल 2026

स्वर्गीय श्रीमती दुर्गा देवी कुमावत

धर्मपत्नी ओम प्रकाश कुमावत (छापोली वाले)

(सेवा निवृत वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी, भारत सरकार)

आपकी सहृदयी जीवन की स्मृतियां हमारी अक्षुण धरोहर है, सभी परिवार जन सजल नयनों से सहृदय श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधू : आशुतोष (उपमंत्री कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति मालवीय नगर)-मिताली, पौत्र : युवराज (प्रिंस), सात्विक(मनु), पुत्री-दामाद : अनीता(नीतू)-श्री अनिरुद्ध नोखवाल, जयपुर, अरुणा(पप्पी)-श्री पवन मंडोरिया,कोटा, दोहिते : सुधांशु नोखवाल(कानु), हेरंब मंडोरिया (हनु), परिवार पक्ष : महावीर प्रसाद एवं समस्त कोलूगरिया परिवार पीहर पक्ष : रामगोपाल वर्मा एवं समस्त नीमीवाल परिवार व श्रीमती गायत्री (पत्नी स्व. श्री ताराशंकर दादरवाल) एवं परिवार

पता : 86/176, कुंभा मार्ग, प्रताप नगर हाउसिंग बोर्ड, सांगानेर, जयपुर-302033

मोबाइल : 9829015163, 9958006366, 7728909266

स्व. 19.03.2016

दशम् पुण्यतिथि

19 मार्च, 2026

स्व. श्रीमती आशा देवी कुमावत

(पूर्व अध्यक्षा - भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा 'ईकाई - सांगानेर)

(धर्मपत्नि सोहन लाल अजमेरा)

आपकी सादगी, आदर्श एवं त्यागमय जीवन हमारे लिए सदैव प्रेरणा स्त्रोत बने रहेंगे।

आज हम सभी परिवारजन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत:

सोहन लाल कुमावत (एडवोकेट) पति, अजय-पूनम (पुत्र-पुत्रवधु)

कार्तिकेय-परिधि (पौत्र -पौत्री) संग्राम सिंह-ममता, दीपा-बृजेश कुमार

मीनाक्षी-राजकुमार (दामाद-पुत्रियां)

बाजगी तलाई, वार्ड नं. 97 (New), सांगानेर, जयपुर मो. 9636860812

स्व. 7.10.1993

स्व. 9.4.1999

स्व. श्री भौंरीलाल धुंधारिया स्व. श्रीमती भंवरी देवी

33वीं पुण्यतिथि 7.10.2026 27वीं पुण्यतिथि 9.4.2026

श्रद्धावन्त :

पुत्र-पुत्रवधु : लालचंद-विमला, सुरेश-अनिता, पुत्री-दामाद : डॉ. नेमीचन्द घोड़ेला-रूकमणी, मोहनलाल रेणीवाल-शान्ती, प्रेमनारायण घोड़ेला-इन्दिरा, पौत्र-पौत्रवधु : आदित्य-नेहा, राहुल-साक्षी, नीरज-कनिका (चिंकी), प्रपोत्र : अविन, दोहित्र-दोहित्र वधु : मोहनलाल घोड़ेला-सुनीता, नवीन घोड़ेला-लक्ष्मी, कृष्ण गोपाल रेणीवाल-श्रुती, कमल किशोर रेणीवाल-पिंकी, रवि रेणीवाल-रजनी, पवन घोड़ेला-मधु, दोहिती-दामाद : चन्द्रकान्ता- नरेन्द्र आसीवाल

बी-137 -बी, आनंदपुरी, मोती डूंगरी रोड, जयपुर मो. 9413335998

27 शिव विहार, पांच्यावाला, महाराण प्रताप रोड, जयपुर मो. 7219924079

119 वाँ
बॉलीवुड
गोल्डन ऐरा शो

Balodia's Live Band

DIAMOND Orchestra

शादी समारोह, महिला संगीत,
हल्दी - मेहन्दी, भात सेरेमनी
कार्यक्रम हेतु भी सम्पर्क करें

119 वाँ
बॉलीवुड
गोल्डन ऐरा शो

Presents

An unforgettable musical night echoing with **CHAND, CHERA** and many more...

ये चाँद सा रोशन चेहरा

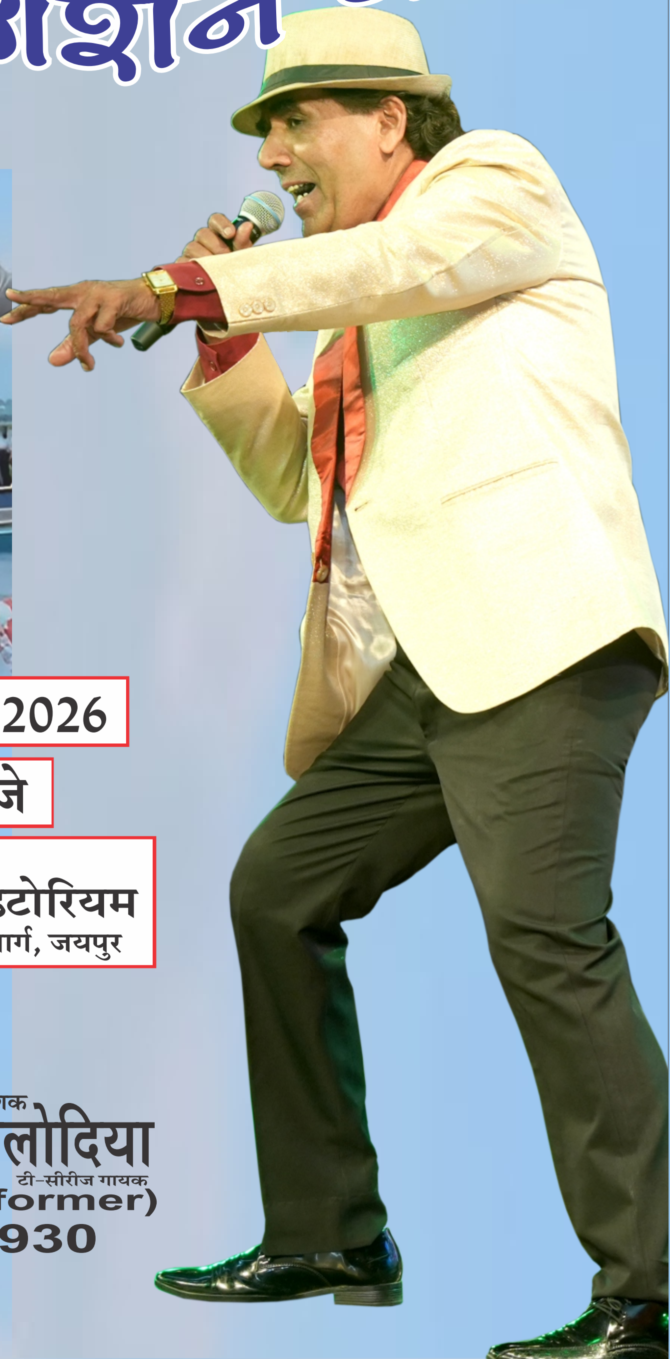

रविवार 29 मार्च, 2026

सायं 6:00 बजे

स्थानः
महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम
विद्याश्रम स्कूल, जे. एल. एन. मार्ग, जयपुर

रश्मि बालोदिया
(voice of Lata Mangeshkar)

कार्यक्रम संयोजक एवं निर्देशक
मोहन कुमार बालोदिया
टी-सीरीज गायक
(Singer & Performer)
98290 89930

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :
1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

SP CONSTRUCTION

Building INDIA'S Construction

SHASHI PAL KUMAWAT

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

Vijay Anand
International Academy

Vill. AkedaChoud, Via-Jahota. Tah. Rampura Dabri, Distt. Jaipur (Raj) - 303701 Call 9460852525

Special Features

1. 100% Result
2. Centrally Air Cooled School
3. Vehicle Facility
4. Smart Classrooms
5. Highly Educated Teachers
6. International Level Syllabus
7. Worldwide Education Approaches at Home
8. Computer Coding and Programming
9. Separate Labs for Primary, Middle and Higher Classes

Nursery to X
(English Medium)

Your child deserve the Best Education

CCTV SURVEILLANCE 24X7

Director
Deendayal Kumawat

Co-ordinator
Monika Kumawat
(M.Com., B.Ed.)

Principal
Anita Chejara
(M.A., B.Ed.)

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018